मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 02 मई 2026

संवत 2083, वैशाख शुक्ल 16 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 227, पृष्ट-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ लोक के प्रति कब जवाबदेह बनेगी नौकरशाही

ऐसी सिनेमाई दुनिया पहले कभी नहीं देखी: रुक्मिणी वसंत ◂◂ 6

सुप्रीम कोर्ट से ममता बनर्जी को बड़ा झटका

मतगणना के नियमों में बदलाव से इनकार

एजेंसी

नई दिल्लीः पश्चिम बंगाल की 294 सीटों के लिए 4 मई को होने वाली मतगणना से ठीक पहले टीएमसी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी निराशा हाथ लगी है। कोर्ट ने आज साफ किया है कि मतगणना केंद्रों पर केंद्र सरकार और पीएसयू कर्मचारियों की तैनाती को लेकर किसी भी नए आदेश की जरुरत नहीं है। इस फैसले के साथ ही कलकत्ता हाई कोर्ट के उस आदेश पर मुहर लग गई है, जिसने चुनाव आयोग के फैसले को सही ठहराया था।

टीएमसी का नरम पड़ा रुख, सिब्बल की दलीलें खारिजः सुनवाई के दौरान टीएमसी की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग की मंशा पर कड़े सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि उन्हें आयोग से न्याय की उम्मीद नहीं है। हालांकि, बहस के दौरान जब कोर्ट ने नियमों का हवाला दिया, तो टीएमसी के सुर नरम पड़ गए। पार्टी ने अंत में केवल यह मांग की कि हर टेबल पर कम से कम एक राज्य कर्मचारी जरूर हो। बेंच ने चुनाव आयोग के उस आश्वासन को रिकॉर्ड पर लिया जिसमें कहा गया है कि नियमों का पालन उसकी पूरी भावना के साथ किया जाएगा।जब सिब्बल ने हर टेबल पर केंद्रीय कर्मचारी की अनिवार्यता पर सवाल उठाया, तो बेंच ने दो टूक कहा, जैसा आप बता रहे हैं, वैसा नहीं है। अदालत ने स्पष्ट किया कि प्रावधानों के अनुसार सुपरवाइजर या सहायक की नियुक्ति केंद्र या राज्य, किसी भी पूल से की जा सकती है। विवाद की जड़ः पूरा विवाद 30 अप्रैल के उस निर्देश से शुरू हुआ था जिसमें चुनाव आयोग ने हर काउंटिंग टेबल पर कम से कम एक केंद्र सरकार या पीएसयू कर्मचारी की मौजूदगी अनिवार्य कर दी थी। टीएमसी को डर था कि ये कर्मचारी किसी विशेष पार्टी के प्रभाव में काम कर सकते हैं, लेकिन अब कोर्ट के रुख ने इस विवाद पर विराम लगा दिया है।

पश्चिम बंगाल में दो निर्वाचन क्षेत्रों के 15 बूथों पर मतदान जारी, हिंसा की आशंका के बीच कड़ी सुरक्षा

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में सियासी पारा हाई है। दो चरणों की वोटिंग के बाद पार्टियां अपनी-अपनी जीत का दावा कर रही हैं, तो इस बीच आज पश्चिम बंगाल में 15 बूथों पर दोबारा मतदान कराया जा रहा है। चुनाव आयोग ने साउथ परगना जिले की मगराहाट वेस्ट और डायमंड हार्बर, इन दोनों सीटों के 15 मतदान केंद्रों पर फिर से मतदान कराने का आदेश दिया है। जहां मगराहाट वेस्ट के 11 और डायमंड हार्बर के 4 पोलिंग बूथों पर आज फिर वोट डाले जा रहे हैं। बता दें प। बंगाल समेत 5 राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजे 4 मई को आएंगे। दरअसल, चुनाव आयोग को 77 पोलिंग सेंटर्स पर री-पोल कराने की रिक्वेस्ट मिली थी। आरोप था कि कुछ बूथों पर ईवीएम से छेड़छाड़ की गई है और कुछ जगह ईवीएम में गड़बड़ी की शिकायत थी , जिसे लेकर इलेक्शन ऑब्जर्वर्स की रिपोर्ट आने के बाद चुनाव आयोग ने साउथ परगना जिले की 2 सीटों पर फिर से मतदान कराने का आदेश दिया। इन 15 बूथों पर सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक वोटिंग जारी रहेगी। इस बीच किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

जबलपुर हादसे का एक और वीडियो आया सामने

क्रूज में धीरे-धीरे भरता रहा पानी मदद के लिए चिल्लाते रहे लोग

एजेंसी

जबलपुरः मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित बरगी बांध में हुए क्रूज हादसे का एक नया और रोंगटे खड़े कर देने वाला वीडियो सामने आया है। यह फुटेज न केवल उस भयावह पल की गवाही दे रहा है जब हँसता-खेलता सफर चीख-पुकार में बदल गया, बल्कि प्रशासन और क्रूज संचालकों की उन लापरवाहियों की भी पोल खोल रहा है जिन्होंने इस पर्यटन यात्रा को 'मौत का जाल' बना दिया। इस हफ़्ते की शुरूआत में बरगी बांध में पलटी क्रूज नाव के अंदर का एक नया वीडियो सामने आया है। यह वीडियो मध्य प्रदेश के सबसे जानलेवा पर्यटन हादसों में से एक से ठीक पहले के आखिरी पलों को दिखाता है, और यह भी उजागर करता है कि सुरक्षा के बुनियादी उपायों की पूरी तरह से अनदेखी की गई थी। फुटेज में दिख रहा है कि यात्री नाव के अंदर बैठे हैं, तभी अचानक पानी अंदर आने लगता है। कुछ ही पलों में, हंसी-खुशी का माहौल अफरा-तफरी में बदल जाता है, क्योंकि तूफानी मौसम के बीच नाव जोर-जोर से हिलने लगता है।

नाव के डूबना शुरू होने के बाद ही क्रू के सदस्य आनन-फानन में बंधी हुई लाइफ जैकेटों को खोलते हुए दिखाई देते हैं। कई यात्री, जिनके पास तुरंत सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं थे, स्थिति तेजी से बिगड़ने पर सील किए गए स्टोरेज से लाइफ जैकेट निकालने के लिए हाथ-पैर मारते हुए दिखाई देते हैं।

यह वीडियो उन यात्रियों के दावों की पुष्टि करता है जो इस हादसे में बच निकले थे। उनका कहना है कि सुरक्षा के जरूरी नियमों का पालन नहीं किया गया था और हादसे के दौरान यात्रियों को अपने हाल पर छोड़ दिया गया था।

रिपोर्टों से पता चलता है कि क्रूज में 40 से ज्यादा पर्यटक सवार थे, जबकि टिकट सिर्फ.29 लोगों के लिए ही जारी किए गए थे। इतनी ज्यादा भीड़ होने के बावजूद, नाव को बरगी बांध के पानी में जाने की अनुमति दे दी गई थी, जबकि उस समय भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया हुआ था। इस अलर्ट में खराब मौसम और 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ़्तार से हवाएं चलने की चेतावनी दी गई थी।

पुलिस ने इस वीडियो को साक्ष्य के तौर पर जब्त कर लिया है। ओवरलोडिंग और सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन के मामले में क्रूज संचालक और संबंधित अधिकारियों पर शिकंजा कसना तय माना जा रहा है। जबलपुर का यह हादसा प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र में सुरक्षा मानकों पर एक बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर गया है। देश के कई हिस्सों में शनिवार को अचानक लोगों के मोबाइल फोन पर तेज आवाज वाला इमरजेंसी अलर्ट बजने लगा, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी जैसी स्थिति बन गई। बाद में साफ किया गया कि यह कोई असली खतरे का अलर्ट नहीं था, बल्कि सरकार द्वारा किया गया सिस्टम टेस्ट था। यह अलर्ट नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीएमए) और दूरसंचार विभाग (डीओटी) की ओर से चल रहे नए सेल ब्रॉडकास्ट सिस्टम का हिस्सा है। इसका मकसद देश में आपदा या इमरजेंसी के समय लोगों तक तुरंत चेतावनी पहुंचाना है।

देशभर में करोड़ों मोबाइल पर एक साथ आया अलर्ट मैसेज , सायरन की सुनाई दी आवाज

- ✔ सरकार ने की इमरजेंसी अलर्ट सिस्टम की टेस्टिंग

मेट्रो रेज संवाददाता

नई दिल्लीः देश के कई हिस्सों में शनिवार को अचानक लोगों के मोबाइल फोन पर तेज आवाज वाला इमरजेंसी अलर्ट बजने लगा, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी जैसी स्थिति बन गई। बाद में साफ किया गया कि यह कोई असली खतरे का अलर्ट नहीं था, बल्कि सरकार द्वारा किया गया सिस्टम टेस्ट था। यह अलर्ट नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीएमए) और दूरसंचार विभाग (डीओटी) की ओर से चल रहे नए सेल ब्रॉडकास्ट सिस्टम का हिस्सा है।

इसका मकसद देश में आपदा या इमरजेंसी के समय लोगों तक तुरंत चेतावनी पहुंचाना है।

मोबाइल पर अचानक क्यों बजा अलर्टः कई लोगों के फोन पर अचानक तेज बीपिंग साउंड और एक्सट्रीमली अलर्ट जैसा मैसेज आया। इस सिस्टम की खास बात यह है कि यह फोन साइलेंट होने पर भी अलर्ट बजा देता है ताकि लोग तुरंत सतर्क हो सकें। यह एक आधुनिक तकनीक है, जिसमें किसी भी इलाके के सभी मोबाइल फोन पर एक साथ अलर्ट भेजा जाता है। इससे नेटवर्क पर दबाव नहीं पड़ता और संदेश कुछ ही सेकंड में लाखों लोगों तक पहुंच जाता है।

क्यों किया जा रहा है टेस्टः सरकार पूरे देश में इस सिस्टम की टेस्टिंग कर रही है ताकि इसे पूरी तरह से लागू करने से पहले इसकी तकनीकी जांच और परफॉर्मेंस देखी जा सके। इस दौरान लोगों को कई बार ऐसे टेस्ट मैसेज मिल सकते हैं, जिन पर घबराने की जरूरत नहीं है। अधिकारियों ने साफ कहा है कि यह सिर्फ टेस्ट है और किसी तरह की कार्रवाई की जरूरत नहीं है।

मातम में बदली शादी की खुशियां, जंगल में पेड़ से लटका मिला लड़की के चाचा का शव

संवाददाता

गढ़वाः जिले के भवनाथपुर के थाना क्षेत्र के मकरी पंचायत के कुंवरठीका गांव में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब एक 50 वर्षीय व्यक्ति का शव जंगल में पेड़ से लटका पाया गया। मृतक की पहचान सुरेंद्र सिंह (पिता जगनरायण सिंह) के रूप में हुई है। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जानकारी के अनुसार गांव की कुछ महिलाएं महुआ चुनने के लिए बहेरवाखाडी जंगल की ओर गई थीं। इसी दौरान उनकी नजर जामुन के पेड़ से लटके सुरेंद्र सिंह के शव पर पड़ी। महिलाओं ने शोर मचाया, जिसके बाद यह खबर गांव में आग की तरह फैल गई। देखते ही देखते ग्रामीणों और परिजनों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई।

परिजनों ने बताया कि सुरेंद्र सिंह की भतीजी की शादी थी। घर में उत्सव का माहौल था और रात करीब 10 बजे तक सुरेंद्र को घर पर ही देखा गया था। सुबह जब वे घर में नहीं मिले, तो खोजबीन शुरू की गई। इसी बीच जंगल में उनका शव मिलने की सूचना मिली। शादी की खुशियां अचानक चीख-पुकार में बदल गईं। घटना की सूचना मिलते ही भवनाथपुर थाना के एसआई अमित कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से शव को पेड़ से नीचे उतारा और पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा सदर अस्पताल भेज दिया है। मामले की जानकारी देते हुए एसआई अमित कुमार ने बताया कि प्रथम द्दष्टया और ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार यह आत्महत्या का मामला प्रतीत होता है।

पाकुड़ में ब्राउन शुगर के साथ एक तस्कर गिरफ्तार, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता

पाकुड़ः जिले में ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री करते एक तस्कर को पुलिस ने शुक्रवार देर रात गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति के पास से 14 पुड़िया ब्राउन शुगर और करीब 2390 रुपये नगद जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार व्यक्ति से पुलिस थाने में पूछताछ कर रही है। आरोपी की गिरफ्तारी जिला मुख्यालय के किताझोर गांव के पास से हुई है।

ब्राउन शुगर बेचने पहुंचा था आरोपीः मिली जानकारी के मुताबिक शीश मोहम्मद उर्फ राहुल शेख ब्राउन शुगर बेचने के लिए नगर थाना क्षेत्र के किताझोर गांव पहुंचा था। इस बात की खबर कुछ लोगों ने स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अनिल कुमार गुप्ता एवं अंचलाधिकारी सह दंडाधिकारी अरविंद कुमार बेदिया दलबल के साथ पहुंचे और शीश मोहम्मद को धर दबोचा।

आरोपी सही जानकारी नहीं दे रहा थाः तलाशी के क्रम में राहुल शेख के पास से ब्राउन शुगर बरामद हुआ। पुलिस ने जब उससे पूछताछ की तो आरोपी ने पुलिस को सही जानकारी नहीं दी। उसके बाद पुलिस आरोपी को थाने ले आई।

इस मामले में नगर थाना प्रभारी अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी नशीला पदार्थ कहां से लाकर बेच रहा था और इस गिरोह में कौन-कौन लोग शामिल हैं, इसकी पूछताछ थाने में की जायेगी।

पागलों के हाथों में नहीं दे सकता एटम बमः ट्रंप

- ✔ जंग रोकने का ईरानी ऑफर फिर ठुकराया, इसमें परमाणु मुद्दे का जिक्र नहीं था
- ✔ 'पहला निशाना इजरायल, अगला अमेरिका होगा'

एजेंसी

नई दिल्लीः अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान द्वारा भेजे गए नए प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया है। यह प्रस्ताव पाकिस्तान के जरिए अमेरिका तक पहुंचाया गया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रस्ताव पढ़ने के बाद ट्रंप संतुष्ट नहीं दिखे और उन्होंने साफ कहा कि मौजूदा शर्तों पर कोई समझौता संभव नहीं है। उनका कहना है कि अगर ईरान बेहतर और स्पष्ट शर्तें नहीं रखता, तो बातचीत आगे नहीं बढ़ेगी।

क्या था ईरान का प्रस्ताव?

ईरान ने अमेरिका के सामने एक अहम शर्त रखी थी, अगर अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य पर लगी नाकेबंदी हटाता है, तो वह परमाणु समझौते पर बातचीत के लिए तैयार है। लेकिन ट्रंप का रुख इससे बिल्कुल उल्टा है। वे चाहते हैं कि ईरान पहले परमाणु कार्यक्रम पर समझौता करे, उसके बाद ही किसी तरह की राहत दी जाएगी।

पागलों के हाथ में परमाणु हथियार नहीं रहने दे सकतेः ट्रंप ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जाएगा। उन्होंने कहा, 'ईरान को परमाणु हथियार नहीं दे सकते हैं क्योंकि वे सबसे पहले इसका इस्तेमाल इजरायल पर करेगा, फिर मिडिल ईस्ट और यूरोप पर, और अगला नंबर अमेरिका होगा, हम ऐसे पागलों के हाथ में परमाणु हथियार नहीं रहने दे सकते।'

ट्रंप की कड़ी चेतावनीः ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई, खासकर इ-2 बॉम्बर्स के इस्तेमाल से ईरान की सैन्य क्षमता कमजोर हो गई है। उनके अनुसार ईरान की नौसेना, वायुसेना और रडार सिस्टम पर गंभीर असर पड़ा है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वे पूरी तरह विनाशकारी हमला नहीं करना चाहते, बल्कि कूटनीतिक समाधान को प्राथमिकता देते हैं।

होमुर्ज स्ट्रेट बना वैश्विक संकट का कारणः इस पूरे तनाव की शुरूआत 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद हुई। इसके बाद होमुर्ज स्ट्रेट बंद होने से वैश्विक ऊर्जा बाजार में संकट खड़ा हो गया। यह स्ट्रेट दुनिया की लगभग 20% तेल और गैस सप्लाई का मुख्य रास्ता है। इसके बंद होने से कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गईं, जो पिछले 4 साल का उच्च स्तर है। इससे वैश्विक मंदी का खतरा भी बढ़ गया है। हालांकि ईरान के प्रस्ताव की खबर के बाद कीमतों में थोड़ी नरमी जरूर देखी गई है, लेकिन स्थिति अभी भी अस्थिर है।

खतरा अभी टला नहींः फिलहाल दोनों देशों के बीच टकराव की स्थिति बनी हुई है। एक तरफ अमेरिका दबाव बढ़ा रहा है, वहीं ईरान भी जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार है। अगर जल्द कोई समझौता नहीं हुआ, तो यह तनाव बड़े संघर्ष में बदल सकता है, जिसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा बाजार पर पड़ेगा।

ईरान की प्रतिक्रियाः ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि अगर अमेरिका अपनी 'धमकी भरी भाषा' बंद करता है, तो बातचीत संभव है। लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी साफ किया कि ईरानी सेना हर स्थिति के लिए तैयार है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान ने अपने एयर डिफेंस सिस्टम को सक्रिय कर दिया है और जवाबी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। उन्होंने तुर्की, सऊदी अरब, कतर, मिस्र और यूरोपीय नेताओं से संपर्क किया है। दूसरी ओर, यूरोपीय संघ भी होमुर्ज स्ट्रेट को फिर से खोलने के प्रयासों में जुटा है। वहीं अमेरिकी अधिकारी छोटे लेकिन तेज सैन्य हमले की संभावना पर विचार कर रहे हैं, जिसमें इजरायल भी शामिल हो सकता है।

ईरान में भीषण धमाका, रिवोल्यूशनरी गार्ड के 14 जवान मारे गए,युद्ध में बचे बमों में हुआ विस्फोट

तेहरान : ईरानी मीडिया के अनुसार उत्तर-पश्चिमी ईरान में ऑर्डनेंस क्लीयरेंस ऑपरेशन के दौरान हुए एक धमाके में ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के 14 सदस्य मारे गए और दो अन्य घायल हो गए।

राज्य से जुड़ी फार्स न्यूज एजेंसी ने बताया कि यह घटना जांजन प्रांत में हुई जब एक खास क्लीयरेंस मिशन के दौरान अचानक एक बम में धमाका हुआ। ये लोग उस यूनिट का हिस्सा थे जिसे इलाके में बचे हुए बमों को हटाने और बेअसर करने का काम सौंपा गया था, जिसके बारे में स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि इससे आम लोगों और खेती की जमीन को लगातार सुरक्षा का खतरा बना हुआ है। फार्स न्यूज एजेंसी ने कहा कि बिना फटे बमों की मौजूदगी के कारण इलाके में लगभग 1,200 हेक्टेयर खेती की जमीन खतरे में है।

इससे पहले गुरुवार को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि ट्रंप प्रशासन दुनिया की ऊर्जा का प्रबंधन करने की रणनीति से विघटन की ओर बढ़ चला है। ईरान अब इसके खिलाफ गठबंधन का केंद्र बन गया है। आईआरजीसी ने कहा कि विघटन प्रोजेक्ट अमेरिका ने चीन, रूस और यूरोप को कंट्रोल करने के लिए शुरू किया था।

एक्स पर एक पोस्ट में आईआरजीसी ने कहा, 'ट्रंप प्रशासन चीन, रूस और यूरोप को कंट्रोल करने के बड़े हिस्से के तौर पर समुद्री ब्लॉकेड शुरू किया लेकिन 20 दिनों के बाद, व्हाइट हाउस में यह आकलन गहरा रहा है कि प्रोजेक्ट फेल हो गया है और तेहरान इसका केंद्र बन गया है।'

न्यूज IN ब्रीफ

बिहार- झारखंड सीमा पर 8 लाख की अवैध शराब लदी पिकअप जब्त

चतरा : बिहार-झारखंड बॉर्डर पर अवैध शराब तस्करों के खिलाफ चतरा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। वशिष्ठ नगर जोरी थाना पुलिस ने रात के अंधेरे में तस्करी की जा रही करीब 8 लाख रुपये की अंग्रेजी शराब जब्त की है। एसपी अनिमेष नैथानी के निर्देश पर चलाए जा रहे रात्रि गश्ती अभियान के दौरान पुलिस को यह बड़ी सफलता हाथ लगी। जोरी थाना गेट के पास वाहन चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध पिकअप वैन को रोका गया। पुलिस को देखते ही चालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। जब वाहन की सघन तलाशी ली गई, तो ऊपर रखे जूट के बोरों के नीचे छिपाकर रखी गई 65 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पुलिस के अनुसार जब्त शराब की बाजार में कीमत लगभग 8 लाख रुपये आंकी गई है। इस मामले में पुलिस ने पिकअप वाहन के मालिक और चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और उत्पाद अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत कांड संख्या 62/2026 दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि तस्कर सीमावर्ती इलाके का फायदा उठाकर शराब खपाने की फिराक में थे। फिलहाल पुलिस गाड़ी नंबर के आधार पर तस्करों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

हजारीबाग रेंज के डीआईजी ने की मां कौलेश्वरी में पूजा-अर्चना

चतरा : हजारीबाग रेंज के डीआईजी अंजनी कुमार झा एक दिवसीय दौरे पर गुरुवार को जिले के हंटरगंज प्रखंड में स्थित विश्व प्रसिद्ध तीन धर्मों के संगम स्थल मां कौलेश्वरी मंदिर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने श्रद्धा और भक्ति से कौलेश्वरी मां की पूजा-अर्चना की।मंदिर परिसर का अवलोकन करते हुए डीआईजी ने मंदिर प्रबंधन समिति से मुलाकात की और साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों पर स्वच्छता और सुव्यवस्थित व्यवस्था श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा विषय है, इसलिए इस दिशा में विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने मंदिर परिसर में कचरा निस्तारण, पेयजल एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मंदिर प्रबंधन समिति ने डीआईजी को आश्वस्त किया कि उनके सुझावों पर गंभीरता से अमल किया जाएगा। मंदिर से लौटने के क्रम में अचानक वशिष्ठनगर थाना का औचक निरीक्षण किया। उनके अचानक पहुंचने से थाना परिसर में कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने थाना प्रभारी को लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन, अपराध नियंत्रण, अवैध तस्करी पर सख्ती तथा वारंटियों की गिरफ्तारी में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि क्षेत्र में सक्रिय अपराधियों और तस्करों के खिलाफ नियमित अभियान चलाकर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। डीआईजी ने केस डायरी, रजिस्टर, मालखाना तथा अभिलेखों की भी जांच की। उन्होंने अनुसंधान कार्य में गुणवत्ता बनाए रखने और प्रत्येक मामले में समयबद्ध कार्रवाई करने पर जोर दिया। इस अवसर पर हंटरगंज सर्किल इंस्पेक्टर विपिन कुमार, हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार, जोरी थाना प्रभारी अमित कुमार सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं जवान उपस्थित थे। डीआईजी ने सभी को टीम भावना के साथ कार्य करते हुए आम जनता में सुरक्षा का विश्वास कायम रखने का निर्देश दिया।

आंधी से उड़ा कच्चे मकान का छप्पर,प्लास्टिक के तंबू में रहने को मजबूर परिवार

चतरा : लावालौंग थाना क्षेत्र के रिमी पंचायत स्थित टिगदा गांव के खांखर टोला में तेज बारिश और आंधी ने एक गरीब परिवार पर कहर बरपा दिया। आंधी-पानी के कारण बालदेव गंझू के कच्चे मकान का छप्पर उड़कर पूरी तरह चकनाचूर हो गया। इससे परिवार बेघर जैसी स्थिति में पहुंच गया है। पूर्व मुखिया चंदू गंझू ने बताया कि बालदेव गंझू के कच्चे मकान का छप्पर अल्बेस्टस से ढका हुआ था,जो तेज आंधी में उड़ गया। उन्होंने कहा कि बालदेव गंझू को अब तक सरकारी आवास योजना का लाभ भी नहीं मिला है। छप्पर उड़ जाने के बाद बालदेव गंझू का परिवार प्लास्टिक के तंबू में रहने को मजबूर है। ऐसे में अगर बारिश होती है या तेज गर्मी पड़ती है तो दोनों ही स्थितियों में बालदेव के परिवार को घोर मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। ग्रामीणों और पूर्व मुखिया चंदू गंझू ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने और आवास योजना का लाभ देने की मांग की है।

वज्रपात की चपेट में आने से गाय की मौत

चतरा : जिले के लावालौंग प्रखंड क्षेत्र के कोलकोले पंचायत स्थित लेम्बोडीह गांव में शुक्रवार को बारिश के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से एक दुधारू गाय की मौत हो गई। घटना के बाद पशुपालक परिवार को गहरा झटका लगा है। जानकारी के अनुसार लेम्बोडीह गांव निवासी मोहन गंझू की दुधारू गाय घर के समीप चर रही थी। इसी दौरान अचानक बारिश शुरू हो गई, जिससे गाय बचने के लिए एक पेड़ के नीचे खड़ी हो गई। तभी तेज वज्रपात हुआ और उसकी चपेट में आने से गाय की मौके पर ही मौत हो गई। पीड़ित मोहन गंझू ने बताया कि गाय के दूध से ही उनके परिवार का भरण-पोषण होता था। गाय की मौत से परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा होने जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

एनपीसीआई के लिए दिए गए सुझाव

धनबाद : डिजिटल भुगतान के बढ़ते उपयोग के बीच एनपीसीआई ने नागरिकों को सुरक्षित लेनदेन के लिए पांच महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। संस्था के अनुसार भुगतान से पहले स्क्रीन पर नाम की पुष्टि करना, केवल विश्वसनीय ऐप और वेबसाइट का उपयोग करना और अपना यूपीआई पिन या ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) किसी के साथ साझा न करना बेहद जरूरी है। साथ ही जल्दबाजी में किसी भी भुगतान से बचें।

जनगणना-2027 के प्रथम चरण सेल्फ एन्यूमरेशन का शुभारंभ, सांसद व उपायुक्त ने की सहभागिता

संवाददाता

चतरा : जनगणना-2027 के अंतर्गत प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं भवन गणना के तहत सेल्फ एन्यूमरेशन की प्रक्रिया का शुक्रवार को जिले में विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह ने अपने आवासीय कार्यालय में स्वयं सेल्फ एन्यूमरेशन कर अभियान की शुरूआत की। चतरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक जनार्दन पासवान ने भी अपने आवास पर सेल्फ एन्यूमरेशन करते हुए इस राष्ट्रीय कार्य में सहभागिता सुनिश्चित की। वहीं उपायुक्त रवि आनंद ने गोपनीय शाखा में सेल्फ एन्यूमरेशन करते हुए जिले में इस प्रक्रिया का औपचारिक शुभारंभ किया। चतरा के अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम ने भी अपने आवास पर सेल्फ एन्यूमरेशन कर इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई।

सांसद ने कहा कि जनगणना देश के समग्र विकास की आधारशिला है तथा इससे प्राप्त आंकड़े योजनाओं के निर्माण एवं प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आमजनों से अपील किया कि वे निर्धारित अवधि में अधिकाधिक संख्या में सेल्फ एन्यूमरेशन कर इस राष्ट्रीय कार्य को सफल बनाएं।

उपायुक्त रवि आनंद ने बताया कि भारत की जनगणना विश्व की सबसे बड़ी प्रशासनिक एवं सांख्यिकीय प्रक्रिया है। जनगणना-2027 देश की 16वीं तथा स्वतंत्रता के बाद की 8वीं जनगणना होगी, जिसे इस बार डिजिटल माध्यम से संपन्न कराया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि 1 मई से 15 मई 2026 तक सेल्फ एन्यूमरेशन की सुविधा उपलब्ध है, जिसके अंतर्गत आमजन स्वयं ऑनलाइन माध्यम से अपने परिवार एवं आवास से संबंधित जानकारी दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए आधिकारिक पोर्टल का उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने आगे बताया कि 16 मई से 14 जून 2026 तक हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन तथा फरवरी 2027 में जनसंख्या गणना का कार्य प्रस्तावित है। जिले में जनगणना कार्य हेतु कुल 13 चार्ज (12 ग्रामीण एवं 1 शहरी) बनाए गए हैं। इसके अंतर्गत 2418 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक चिन्हित किए गए हैं, जिनके लिए 343 सुपरवाइजर एवं 1928 प्रगणक प्रतिनियुक्त किए गए हैं। सभी संबंधित कर्मियों का प्रशिक्षण चरणबद्ध तरीके से पूर्ण कराया जा चुका है तथा आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित कर ली गई हैं। उपायुक्त ने आमजनों से अपील किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में सेल्फ एन्यूमरेशन कर इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनगणना से संबंधित कोई भी जानकारी फोन कॉल, ओटीपी या बैंक विवरण के माध्यम से नहीं मांगी जाएगी, अतः किसी भी प्रकार के साइबर फ्रॉड से सतर्क रहें।

गोवा में मजदूरी करने गए खूंटी के युवक की मौत, ताबूत में गांव पहुंचा शव

संवाददाता

खूंटी : जिले के रनिया प्रखंड अंतर्गत जयपुर पंचायत के औरगटोली गांव में शुक्रवार का दिन मातम और दर्द से भरा रहा। गांव के 24 वर्षीय युवक अरविंद डहंगा का शव जब ताबूत में बंद होकर गोवा से फ्लाइट के जरिए रांची पहुंचा और वहां से एंबुलेंस द्वारा गांव लाया गया, तो पूरे गांव का माहौल गमगीन हो गया। परिजनों की चीख-पुकार और ग्रामीणों की नम आंखें इस दर्दनाक घटना की गवाही दे रही थीं। मजदूर दिवस के मौके पर गांव में खुशियों की जगह मातम पसरा रहा।

जानकारी के अनुसार अरविंद डहंगा की मौत बीते मंगलवार 28 अप्रैल को गोवा में समुद्र में डूबने से हो गई थी। बताया गया कि वह पानी जहाज से मछलियां उतारने का काम कर रहा था। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह समुद्र में गिर गया और गहरे पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। घटना के बाद साथ काम करने वाले मजदूरों और स्थानीय लोगों ने काफी खोजबीन की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

ग्रामीणों ने बताया कि अरविंद पिछले वर्ष अगस्त महीने में अपने कुछ दोस्तों के साथ रोजगार की तलाश में गोवा गया था। झारखंड में रोजगार के सीमित अवसर और बेरोजगारी की मार ने उसे घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया था। गोवा में वह समुद्र में मछली पकड़ने और जहाज से मछलियां उतारने का काम कर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहा था।

अरविंद तीन भाइयों में सबसे बड़ा था और परिवार की जिम्मेदारी उसके कंधों पर थी। घर की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह कम उम्र में ही कमाने निकल पड़ा था। परिजनों ने बताया कि अरविंद हमेशा अपने परिवार को बेहतर जिंदगी देने का सपना देखता था। वह नियमित रूप से घर पैसे भेजता था ताकि छोटे भाइयों की पढ़ाई और घर का खर्च चल सके।

अरविंद की असमय मौत ने एक बार फिर झारखंड से हो रहे पलायन और बेरोजगारी की गंभीर समस्या को उजागर कर दिया है। रोजगार की तलाश में हर साल हजारों युवक दूसरे राज्यों में जाने को मजबूर हैं, जहां वे खतरनाक परिस्थितियों में काम करते हैं। कई बार मजदूरों को अपनी जान तक गंवानी पड़ती है।

गांव के लोगों ने सरकार से मांग की है कि राज्य में स्थानीय स्तर पर रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए जाएं, ताकि युवाओं को अपने घर और परिवार छोड़कर दूसरे राज्यों में जोखिम भरे काम करने के लिए मजबूर न होना पड़े। वहीं अरविंद की मौत के बाद पूरे गांव में शोक की लहर है और लोग पीड़ित परिवार को सांत्वना देने पहुंच रहे हैं।

मजदूर दिवस पर मजदूर हितों की रक्षा का लिया गया संकल्प

संवाददाता

खूंटी : अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर शुक्रवार 1 मई को असंगठित कामगार मोटिया मजदूर किसान संघ के तत्वावधान में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष सयूम अंसारी ने की। इस दौरान मजदूरों के अधिकार, सम्मान और उनके हितों की रक्षा को लेकर वक्ताओं ने अपने विचार रखे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डालसा के सहायक एलएडीसी अमरदीप कुमार ने कहा कि मजदूर समाज की रीढ़ हैं और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए सभी को आवाज बुलंद करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मजदूरों को उनका उचित हक और सम्मान दिलाने के लिए निरंतर प्रयास जरूरी है।

वहीं डालसा के अधिवक्ता मदन कुमार गंझू ने मजदूर दिवस के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अमेरिका में मजदूरों से 14 घंटे काम कराया जाता था। इसके विरोध में मजदूरों ने 8 घंटे कार्य समय की मांग को लेकर आंदोलन किया था। आंदोलन के दौरान सरकार द्वारा गोलीबारी की गई, जिसमें कई मजदूरों की जान चली गई। उसी संघर्ष की याद में हर वर्ष 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है।

विशिष्ट अतिथि वार्ड संख्या 9 के पार्षद विनय नायक ने कहा कि मोटिया मजदूर और रिक्शा चालक अपनी शारीरिक मेहनत से समाज की सेवा करते हैं, लेकिन उन्हें उनकी मेहनत का सही फल नहीं मिल पाता। सरकार को इनके लिए बेहतर योजनाएं और सुविधाएं सुनिश्चित करनी चाहिए। संघ के अध्यक्ष सयूम अंसारी ने कहा कि 1 मई 1886 को अमेरिका में हुए मजदूर आंदोलन के बाद पूरी दुनिया में मजदूर दिवस मनाने की परंपरा शुरू हुई। उन्होंने कहा कि मजदूरों की एकता ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

कार्यक्रम के दौरान रेजा-कुली व मजदूरों को अंगवस्त्र, गमछा और गंजी देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही डाक बंगला, खूंटी से एक विशाल जुलूस निकाला गया, जो नेताजी चौक, ऊपर चौक पेट्रोल पंप, भगत सिंह चौक होते हुए पुनः डाक बंगला परिसर पहुंचकर संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मजदूर नेता धर्मेंद्र मांझी, विक्रम महतो, प्रखंड अध्यक्ष आनंद कोंगड़ी, प्रखंड युवा अध्यक्ष डेविड हमसोए सहित कई लोग उपस्थित रहे। वहीं रांची जिला अध्यक्ष के रूप में हरीश हसन उर्फ राजा की घोषणा की गई।

कार्यक्रम में मोहम्मद आरिफ, इमरान अंसारी, शाहबाज अंसारी, आमिर कुरैशी, सुशांति डांग, रेखा देवी, पूसो देवी, झालो देवी, करीना कुमारी, आशा कुमारी, अरविंद कुमार, अशोक मुंडा, सोम मुंडा, गणेश उरांव, रमेश महतो, दुर्गा चरण मुंडा समेत सैकड़ों की संख्या में मजदूर एवं किसान उपस्थित रहे।

ओबेन इलेक्ट्रिक ने लॉन्च की रोर ईवीओ बाइक

संवाददाता

रांची: ओबेन इलेक्ट्रिक ने अपनी नई इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल रोर ईवीओ को 99,999 रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरूआती कीमत पर लॉन्च किया है, जो पहले 10,000 ग्राहकों के लिए उपलब्ध होगी। कंपनी के अनुसार यह बाइक 110 किमी/घंटा की टॉप स्पीड और 180 किमी की रेंज देती है तथा 90 मिनट में 80% तक चार्ज हो जाती है। इसमें स्मार्टआईक्यू

एआई राइड मोड और 9 केडब्ल्यू मोटर जैसे फीचर्स दिए गए हैं। ओबेन इलेक्ट्रिक की संस्थापक एवं सीईओ मधुमिता अग्रवाल ने कहा कि यह बाइक बिना समझौते के प्रदर्शन और रोजमर्रा की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि रोर ईवीओ इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को एक नए स्तर पर ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बुकिंग 777 रुपये से शुरू हो गई है, जबकि जून 2026 से देशभर में टेस्ट राइड और डिलीवरी शुरू होगी।

श्रद्धांजलि : अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ते- लड़ते सदा के लिए सो गए देव चरण गोप

रानी कुमारी

एकीकृत बिहार के समय दक्षिणी छोटा नागपुर क्षेत्र के समुचित विकास के लिए तत्कालीन बिहार सरकार ने झारखंड स्वायत्तशासी परिषद (झारखंड ऑटोनॉमस काउंसिल) का गठन किया था। जिसे संक्षिप्त में जैक कहा जाने लगा। इसके लिए अध्यक्ष , उपाध्यक्ष व पार्षदों का चयन किया गया। जैक के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष को मंत्री व पार्षदों को विधायक का दर्जा दिया गया। तकरीबन पांच साल तक झारखंड स्वायत्तशासी परिषद कार्यरत रहा। इस दौरान उतरी-दक्षिणी छोटानागपुर क्षेत्र के विकास के प्रति सभी जनप्रतिनिधि समर्पित भाव से जुटे रहे।

पूर्व जैक अध्यक्ष के पद पर दिशोम गुरु शिबू सोरेन व उपाध्यक्ष के पद पर सूरज मंडल ने कमान संभाली। जैक के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष सहित सभी पार्षदों ने अलग राज्य गठन के आंदोलन में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वर्ष 2000 में अलग झारखंड राज्य का गठन हुआ। इसके बाद झारखंड स्वायत्तशासी परिषद(जैक) का अस्तित्व समाप्त कर दिया गया।

उस समय से पूर्व जैक पार्षद मंत्रियों और विधायकों के समकक्ष सुविधाएं प्राप्त करने के लिए संघर्षरत हैं। विधायकों के समान पेंशन व अन्य सुविधाएं प्राप्त करने के लिए राज्य सरकार को कई बार ज्ञापन सौंपा। लेकिन इस दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई।

गुमला निवासी देव चरण गोप सहित अन्य पूर्व जैक पार्षद पूर्व मंत्री व पूर्व विधायक के समान सुविधाएं और पेंशन आदि की मांग करते रहे। स्व.गोप सहित अन्य सहयोगियों की भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका रही। सरकार को जगाते-जगाते कई पूर्व जैक पार्षद सदैव के लिए चिर निद्रा में लीन हो गए।

विदित हो कि 25 वर्षों के बाद वर्तमान में मात्र लगभग दो दर्जन पूर्व जैक पार्षद ही रह गये हैं, जो अपने वाजिब हक से वंचित हैं। सरकार इनकी नहीं सुन रही है। इन्हें सुविधाएं मुहैया कराने के प्रति सरकारें उदासीन रही है।

पूर्व जैक पार्षदों का संघर्ष तब तक जारी रहेगा, जब तक सरकार सम्मानजनक पेंशन व अन्य सुविधाएं लागू नहीं करती है।

स्व.गोप सहित अन्य दिवंगत पूर्व जैक पार्षदों को शत-शत नमन।

(लेखिका पूर्व जैक पार्षद व नारी शक्ति सेना गुलाबी गैंग की संस्थापक अध्यक्ष हैं)

जनगणना-2027 महाअभियान की शुरूआत राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने खुद दर्ज की जानकारी

संवाददाता

रांचीः झारखंड में जनगणना-2027 के महाअभियान की शुरूआत हो गई है। शुक्रवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने राजधानी के लोक भवन में राज्य की स्व-गणना प्रक्रिया की औपचारिक शुरूआत की। इस मौके पर उन्होंने स्वयं अपनी व्यक्तिगत और आवासीय जानकारी पोर्टल पर दर्ज कर इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। वहीं, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में स्व-गणना की प्रक्रिया पूरी कर अभियान में भागीदारी की।

आंकड़ों की ताकत पर राज्यपाल का जोरः इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों और मीडिया को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने आंकड़ों की ताकत पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी राज्य या राष्ट्र की तरक्की केवल हवा-हवाई दावों से नहीं, बल्कि ठोस और सटीक आंकड़ों के आधार पर तय होती है। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल व्यक्तियों की गिनती नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक डेटाबेस है, जो परिवारों की संरचना, जीवन स्तर, आर्थिक स्थिति और समाज के वास्तविक स्वरूप को दर्शाता है।

जनगणना से बनती हैं योजनाओं की नींवः राज्यपाल ने कहा कि इन्हीं आंकड़ों के आधार पर सरकारें शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे जैसी योजनाओं का खाका तैयार करती हैं। जनगणना समाज के हर वर्ग की वास्तविक स्थिति को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम है, जिससे नीति निर्माण में सटीकता आती है।

पहले चरण में मकान सूचीकरण और गणनाः अभियान की तकनीकी बारीकियों पर जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि जनगणना-2027 के पहले चरण में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा। इस चरण में लोग मोबाइल ओटीपी के आधार पर स्वयं ऑनलाइन विवरण दर्ज कर सकेंगे। यह प्रक्रिया 1 मई से 15 मई तक चलेगी, जिसके बाद प्रगणक घर-घर जाकर आंकड़ों की पुष्टि करेंगे।

जनता से सही जानकारी देने की अपीलः राज्यपाल ने जनता से अपील करते हुए कहा कि जनगणना एक साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि जब जनगणना कर्मी उनके घर आएं, तो वे बिना किसी संकोच के सही और पूरी जानकारी दें। उन्होंने कहा कि गलत जानकारी देने से भविष्य की सरकारी योजनाओं के लाभ से लोग वंचित हो सकते हैं।

डिजिटल प्रक्रिया पर सरकार का फोकसः कार्यक्रम के दौरान रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री, नगर आयुक्त सुशांत गौरव और झारखंड के मुख्य जनगणना पदाधिकारी प्रभात कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने राज्यपाल को डिजिटल प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। सरकार का लक्ष्य इस बार अधिक से अधिक डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर त्रुटियों को कम करना और रिपोर्ट को जल्द तैयार करना है।

मुख्यमंत्री ने भी की स्व-गणना, लोगों से की अपीलः इधर, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी जनगणना-2027 अभियान के तहत स्व-गणना की प्रक्रिया पूरी की। उन्होंने प्रदेशवासियों से जनगणना में सक्रिय भागीदारी की अपील करते हुए कहा कि यह केवल आंकड़े जुटाने का कार्य नहीं, बल्कि आम लोगों के भविष्य को दिशा देने का महत्वपूर्ण आधार है।

क्षेत्रीय भाषाओं के कर्मियों को शामिल करने का निर्देशः मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस प्रक्रिया में क्षेत्रीय भाषाओं के जानकार कर्मियों को शामिल किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा जा सके और प्रक्रिया को सुगम बनाया जा सके।

16 मई से घर-घर डेटा संग्रह का अभियानः अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि स्व-गणना का कार्य 1 मई से 15 मई तक चलेगा। इसके बाद 16 मई से 14 जून 2026 तक राज्यभर में मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का कार्य किया जाएगा। इस दौरान प्रगणक घर-घर जाकर डेटा संग्रह करेंगे और सभी जिलों में प्रशासनिक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मुख्यमंत्री ने इस अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया।

मुरी, सिल्ली व बहरागोड़ा में मई दिवस पर विशाल रैली

मेट्रो रेज संवाददाता

मुरीः भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी(मार्क्सवादी) एवं झारखंड राज्य किसान सभा के तत्वावधान में अंतराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर मुरी सिल्ली और बहरागोड़ा में विशाल रैली निकाली गयी। अंतराष्ट्रीय मजदूर दिवस अमर रहे, मजदूर दिवस के शहीद अमर रहे, कौन बनाता हिन्दुस्तान - देश का मजदूर किसान ,मजदूर विरोधी 4 लेबर कोड रद्द करो, किसान - मजदूर विरोधी बिज और बिजली विधेयक वापस लो, भारत - अमेरिका व्यापार समझौता नहीं चलेगा, मनरेगा वापस करना होगा,काम का घंटा 8 से 12 घंटा बढ़ाना नहीं चलेगा आदि नारे लग रहे थे।

मुख्य वक्ता माकपा राज्य सचिव मंडल सदस्य सुफल महतो ने विस्तृत रूप से म?ई दिवस गौरवशाली संघर्ष की चर्चा करते हुए कहा 1886 में शिकागो मे मजदूरों का संघर्ष एवं बलिदान ने विश्व के सभी देशों की सरकारों ने अपने देश में 8 घंटे काम का एतिहासिक कानून बनाया, इसके पूर्व पूंजिपतियों द्वारा मजदूरों को 24 घंटे तक काम करने के लिए मजबूर थे। शहिदों के खून से लथपथ कपड़े के झंडा बना कर मजदूरों के आन्दोलन का निर्णायक जीत हुआ। परन्तु भारत के 12 साल से भाजपा सरकार ने उत्पादनकारी मजदूर - किसानों पर मजदूर - किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ निर्णायक संघर्ष की जरूरी है, मजदूर - किसान विरोधी 4 लेबर कोड,बिज और बिजली विधेयक, किसान विरोधी भारत - अमेरिका व्यापार समझौता तथा मनरेगा का खात्मा देश के मजदूर - किसानों के लिए मौत की घंटी है, सर्वाधिक, महंगाई, बेरोजगारी, निजीकरण के रास्ते सबका साथ सबका विकास के नारे के साथ सत्ता में आयी सरकार सिर्फ और सिर्फ अंडानी - अंबानी के लिए काम कर रही है, सार्वजनिक कारखाना, रेलवे,हवाई अड्डा, बंदरगाह,खेत, खेती , जल, जंगल जमीन,बीमा सबकुछ कारपोरेट के हवाले करने में मोदी सरकार आमादा है।

झारखंड के पेंशनभोगियों के लिए खुशखबरी

बढ़ा महंगाई भत्ता, आदेश जारी

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः झारखंड सरकार ने राज्य के हजारों पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों को एक बड़ा तोहफा दिया है। वित्त विभाग ने छठे केंद्रीय वेतनमान का लाभ ले रहे पूर्व कर्मचारियों के लिए महंगाई राहत में वृद्धि का औपचारिक आदेश जारी कर दिया है।

महंगाई राहत में 5% की बढ़ोतरी, 1 जुलाई 2025 से प्रभावीः राज्य सरकार के वित्त विभाग द्वारा जारी ताजा संकल्प के अनुसार, वैसे पेंशनभोगी जो अब भी छठे वेतनमान के तहत पेंशन प्राप्त कर रहे हैं, उनके लिए महंगाई राहत की दर में 5% की बढ़ोतरी की गई है। पुरानी दर 252% थी, जो बढ़कर 257% हो गई है। यह 1 जुलाई 2025 से प्रभावी होगी।

यह निर्णय केंद्र सरकार द्वारा अपने कर्मियों और पेंशनभोगियों के लिए किए गए बदलावों के अनुरूप लिया गया है। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने अक्टूबर 2025 में छठे वेतनमान वाले कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते को 252% से बढ़ाकर 257% करने का निर्णय लिया था। इसी को आधार बनाते हुए झारखंड सरकार ने भी राज्य के पेंशनभोगियों के लिए समान वृद्धि को मंजूरी दी है।

किसे मिलेगा लाभ

- राज्य सरकार के वे सभी पेंशनभोगी जो 6वें वेतनमान के दायरे में आते हैं।
- पारिवारिक पेंशन प्राप्त कर रहे लाभार्थी।
- यह लाभ 1 जुलाई 2025 के प्रभाव से लागू होगा, जिसका अर्थ है कि पेंशनभोगियों को पिछले महीनों का एरियर भी प्राप्त होगा।

रिम्स में डेपुटेशन पर काम कर रहे राज्य सरकार के कर्मियों को भी मिलेगा एकेडेमिक भत्ता

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : झारखंड में डेपुटेशन पर काम कर रहे सरकारी कर्मचारियों और प्रोफेसरों के लिए राहत भरी खबर है। झारखंड हाईकोर्ट ने साफ कर दिया है कि ऐसे कर्मियों को भी अब अकादमिक भत्ता (एकेडेमिक) मिलेगा। लंबे समय से चल रहे इस विवाद पर अब अदालत ने विराम लगा दिया है।

क्या है पूरा मामला

मामला रिम्स में डेपुटेशन पर कार्यरत डॉक्टरों और प्रोफेसरों से जुड़ा हुआ है। ये वे कर्मचारी हैं जो राज्य सरकार की सेवा से जुड़े रहते हुए मेडिकल कॉलेज और संस्थानों में पढ़ाने का काम कर रहे हैं। साल 2019 में राज्य सरकार ने इन्हें अकादमिक भत्ता देने से इनकार कर दिया था, जिसके खिलाफ करीब 70 प्रोफेसरों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने सरकार के 2019 वाले आदेश को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि जो भी प्रोफेसर और शिक्षक शैक्षणिक कार्य कर रहे हैं, उन्हें समान काम के लिए समान लाभ मिलना चाहिए। इसलिए उन्हें भी अकादमिक भत्ता देने से इनकार करना गलत है।

याचिकाकर्ताओं की दलीलः याचिकाकर्ताओं ने कहा था कि वे पूरी तरह से शिक्षण कार्य कर रहे हैं और देश के अन्य संस्थानों जैसे एम्स में भी इसी तरह का भत्ता दिया जाता है। ऐसे में झारखंड में भेदभाव नहीं होना चाहिए। दरअसल, रिम्स की गवर्निंग बॉडी ने 2018 में अकादमिक भत्ता देने का फैसला लिया था, लेकिन 2019 में राज्य सरकार ने इसे खारिज कर दिया था। अब कोर्ट के फैसले के बाद यह आदेश अमान्य हो गया है। इस फैसले के बाद राज्य के कई डेपुटेशन पर कार्यरत डॉक्टरों और प्रोफेसरों को आर्थिक लाभ मिलेगा। साथ ही यह निर्णय आगे दूसरे संस्थानों के लिए भी एक नजीर बन सकता है।

समाजसेविका ट्विंकल छावनिका के सौजन्य से स्कूली बच्चों के बीच फ्रूट ,जूस व बिस्किट का वितरण

✔ किशोरवय बालिकाओं को स्वच्छता के संदेश के साथ दिया गया सैनिटरी नैपकिन

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः राजधानी के कांके रोड निवासी समाजसेविका व जेसीआई रांची उड़ान की पास्ट प्रेसिडेंट ट्विंकल छावनिका के सौजन्य से मजदूर दिवस (एक मई) के अवसर पर शुक्रवार को हरमू हाउसिंग कॉलोनी स्थित एचआई-67 (1-100 आवासीय परिसर) में आर्थिक रूप से कमजोर स्कूली बच्चों के बीच फ्रूट जूस व बिस्कुट आदि का वितरण किया गया। वहीं, किशोरवय बालिकाओं के बीच स्वच्छता का संदेश देते हुए सैनिटरी नैपकिन बांटे गए।

मौके पर श्रीमती छावनिका ने बच्चों को स्वच्छता के प्रति सजग रहने का संदेश संप्रेषित किया। इस अवसर पर निशुल्क कोचिंग केंद्र के व्यवस्थापक सेवानिवृत्त सैन्यकर्मी ललन कुमार मिश्र सहित अन्य मौजूद थे।

बुद्ध स्मृति भवन ट्रस्ट ने किया बुद्ध जयंती समारोह विचार गोष्ठी सह पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीःआज के समय जब पूरा विश्व आंतरिक युद्ध में फंसा हुआ है तब महात्मा बुद्ध के विचार और उनके उपदेश की प्रासंगिकता बढ़ जाती है, उन्होंने कहा था कि शांति और विचार से ही लोगों को बदला जा सकता है, ये विचार डॉ महुआ मांझी (राज्य सभा सांसद) ने बुद्ध स्मृति भवन ट्रस्ट द्वारा बुद्ध जयंती समारोह विचार गोष्ठी सह पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में बोल रही थी। यह कार्यक्रम बुद्ध स्मृति भवन (कुशवाहा धर्मशाला), चुटिया में मनाया गया ।उन्होंने कहा कि बुद्ध स्मृति भवन ट्रस्ट द्वारा आयोजित विचारगोष्ठी एवं अंतर्विद्यालय भाषण सह चित्रांकन प्रतियोगिता रांची में आप लोग ही कराते हैं ये समाज के लिए सराहनीय है। आज बुद्ध स्मृति भवन द्वारा निर्मित चार नए कमरों का उद्घाटन डॉ महुआ माजी जी के कर कमलों द्वारा किया गया, जिसमें सभी ट्रस्टी और अतिथि शामिल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष गिरधारी महतो ने किया । पूरे कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के सचिव अरविंद कुमार ने किया , विषय प्रवेश कोषाध्यक्ष सूरज

महतो स्वागत भाषण महावीर कुशवाहा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत एच एम पब्लिक स्कूल की बालिकाओं द्वारा महात्मा बुद्ध पर आधारित गीतों में स्वागत नृत्य किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ रिझु नायक प्रोफेसर नागपुरी जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग रांची विश्वविद्यालय थे उन्होंने लोगों को बदलने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि उनके उपदेशों पर तभी अमल कर सकते हैं जब हम अपने आप को बदलते हैं। झारखंड आंदोलनकारी सह केंद्रीय सचिव खटट और राज्य पिछड़ा आयोग के सदस्य नंद किशोर मेहता जी भी अपने विचार दिए। इस अवसर पर अंतर्विद्यालय भाषण प्रतियोगिता में हिंदी भाषा में दो समूह और अंग्रेजी भाषा में दो समूह बनाया गया था । समूह अ का विषय गौतम बुद्ध के उपदेशों में विश्व शांति के संदेश एवं उसका महत्व और समूह बी का विषय भारत एवं अन्य देशों में बौद्ध धर्म का विकास और प्रचार था जबकि चित्रांकन प्रतियोगिता में गौतम बुद्ध के उपदेशों पर आधारित चित्र बनाना था। इस प्रतियोगिता में कई स्कूल के छात्र छात्रा भाग लिए । सभी विजयी प्रतिभागियों को मोमेंटो और सर्टिफिकेट दिया गया । सभी प्रतिभागियों को मेडल और सर्टिफिकेट दिया गया। इसके बाद विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें वक्ता के रूप में डी चार्ल्स प्राचार्य संत फ्रांसिस स्कूल चुटिया , कफिलूर रहमान, धर्मेंद्र कुमार सिंह, राम बलि राम, राकेश रौशन, अनामिका सिंह रंजीत कुमार , वार्ड 13 के पार्षद पवन तिर्की आदि अपने विचार दिए। कार्यक्रम को सफल बनाने में गिरधारी महतो , सूरज महतो , अरविंद कुमार , जनार्दन प्रसाद , राम लखन महतो , बसंतु , बिजेंद्र कुशवाहा, भरत लाल महतो , महावीर कुशवाहा , जनक महतो , प्रवीण प्रसाद(सोनू) , सुमित कुमार, ऋतिक मेहता, प्रीतम कुमार, नगेन्द्र महतो, अपूर्व शशांक मनोज महतो, संजय कुमार , सुनील महतो, सती सिन्हा, अनामिका सिंह , रवि प्रकाश, अंजली सेन, कल्पना दास रंजीत कुमार, वासुदेव सिंघा, गोबिंद थापा सरिता एक्का, मनीषा टोप्पो , शिवानी शर्मा, सुप्रभा टोप्पो, लखन महतो, हरि महतो, राजू महतो आदि के सहयोग से कार्यक्रम सफल हुआ। धन्यवाद ज्ञापन विगेन्द्र कुशवाहा ने किया। सभी लोग एक साथ दोपहर का भोजन के साथ कार्यक्रम की समाप्ति की गयी

एमआईएन पब्लिक स्कूल के बच्चों का अनोखा अभियान—सड़क पर बांटी इंसानियत

रांची(गुलाम शाहिद) : भीषण गर्मी के बीच जहां आमजन तपिश से बेहाल हैं, वहीं एमआईएन पब्लिक स्कूल, कांटाटोली के नन्हे छात्रों ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए एक अनोखा सामाजिक अभियान चलाया। इस पहल के तहत स्कूली बच्चों ने सड़क पर निकलकर ऑटो चालकों, ट्रैफिक पुलिसकर्मियों, गरीबों और जरूरतमंद लोगों के बीच ठंडा पानी एवं नाश्ता वितरित किया।इस सामाजिक गतिविधि ने राहगीरों का ध्यान आकर्षित किया और लोगों ने बच्चों के इस सेवा भाव की जमकर सराहना की। छोटे-छोटे हाथों द्वारा किया गया यह प्रयास न केवल गर्मी से राहत देने वाला साबित हुआ, बल्कि समाज को यह संदेश भी दिया कि सेवा और मदद की भावना उम्र की मोहताज नहीं होती। स्कूल प्रबंधन के अनुसार, इस अभियान का उद्देश्य बच्चों में बचपन से ही सेवा, सहानुभूति और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ भाग लिया और जरूरतमंदों की मदद कर सच्ची इंसानियत का परिचय दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की पहल समाज के लिए प्रेरणादायक है और इससे नई पीढ़ी में सकारात्मक सोच का विकास होता है। एमआईएन पब्लिक स्कूल का यह प्रयास क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

प्रोफेसर डॉ. अहमद सज्जाद की याद में शोकसभा

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः प्रोफेसर डॉ. अहमद सज्जाद की याद में इरबा स्थित छोटा नागपुर हैंडलूम एंड खादी वीवर्स कोऑपरेटिव यूनियन लिमिटेड के प्रांगण में आज एक श्रद्धांजलि सभा एवं शोकसभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक, शैक्षणिक एवं धार्मिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर दिवंगत प्रोफेसर डॉ. अहमद सज्जाद को याद किया।

इस अवसर पर कांग्रेस के सीनियर नेता मंजूर अहमद अंसारी ने कहा कि स्वर्गीय डॉ. अहमद सज्जाद एक बेहतरीन शिक्षाविद और समाज को दिशा देने वाले व्यक्तित्व थे, जिनकी कमी हमेशा महसूस की जाएगी। वहीं सईद अहमद अंसारी ने कहा कि उन्होंने शिक्षा के माध्यम से समाज को जागरूक करने का काम किया और उनका जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा है। कोऑपरेटिव यूनियन के चेयरमैन शरीफ अहमद अंसारी ने कहा कि डॉ. अहमद सज्जाद का सामाजिक सरोकार और लोगों से जुड़ाव उन्हें एक खास पहचान देता था। वहीं उनके लड़के डॉ. तारीक सज्जाद ने कहा कि मरहूम का जीवन सादगी, इल्म और इंसानियत की मिसाल था।प्रोफेसर खालिक सज्जाद ने कहा कि उन्होंने शिक्षा जगत में जो योगदान दिया, उसे हमेशा याद रखा जाएगा। मजलिस उलेमा झारखंड के चेयरमैन मौलाना साबिर मजाहिरी ने कहा कि डॉ. अहमद सज्जाद ने समाज में इल्म और अखलाक को बढ़ावा देने का काम किया। मौलाना गुलजार ने कहा कि उनका व्यक्तित्व लोगों को जोड़ने वाला था और वे हमेशा भलाई का पैगाम देते थे।प्रोफेसर अब्दुल गफ्फार ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उनकी सेवाएं आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगी। कारी शाकिर के तिलावत ए कुरान से कार्यक्रम कि शुरूआत हुई। कार्यक्रम के अंत मौलाना साबिर मजाहिरी ने दिवंगत आत्मा की शांति एवं मगफिरत के लिए दुआ की गई। शोकसभा में मंजूर अहमद अंसारी, सईद अहमद अंसारी, शरीफ अहमद अंसारी, फिरोज अहमद अंसारी, मोहम्मद जावेद, नसीम अंसारी, जमील अख्तर एडवोकेट, खलील अंसारी, अकमल हुसैन, मुफ्ती वसी रहमान, इरफान अंसारी, इश्तियाक अंसारी, मोहम्मद परवेज, अजीजुर रहमान समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की प्रभावशाली जीत

गुजरात नगर निगम, पंचायत तथा पालिका चुनावों के नतीजों ने आगामी विधानसभा चुनाव से पहले गुजरात में भारतीय जनता पार्टी का दबदबा कायम रहने का संकेत दे दिया है। भाजपा ने अहमदाबाद, सूरत, बडोदरा, राजकोट समेत सभी 15 नगर निगमों व 34 जिला पंचायत में अपना नियंत्रण बरकरार रखा। जिला पंचायत, नगर पालिका व तहसील पंचायत में 90 प्रतिशत से भी अधिक सीटों पर कमल खिला है। भाजपा ने मोरबी व पोरबंदर मनपा में क्लीन स्वीप किया है। अहमदाबाद में एआईएमआईएम का भी सफाया हो गया और आम आदमी पार्टी का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। अभी नए बने नगर निगम नवसारी, गांधीधाम, मोरबी, वापी, आनंद, नडियाद, मेहसाणा, पोरबंदर और सुरेंद्रनगर में भाजपा का कमल खिला।

गुजरात में भाजपा की यह जीत इसलिए बड़ी है क्योंकि इस बार प्रधानमंत्री मोदी व गृहमंत्री अमित शाह चुनाव प्रचार में शामिल नहीं हुए। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा की जोड़ी का यह पहला चुनाव था। चुनाव परिणामों से भाजपा नेतृत्व को काफी राहत मिली है। इसका एक कारण नयी पीढ़ी का धीरे-धीरे सक्षम होना और स्थानीय चुनावों का नेतृत्व करने का सामर्थ्य जुटा लेना भी है। यदि दूसरी पंक्ति का नेतृत्व चुनावी रणनीति में निपुण होगा तो पार्टी के लिए यह निश्चय ही आश्वस्ति का विषय है। विगत वर्षों से गुजरात में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने सक्रियता दिखाई और ऐसा प्रतीत हो रहा था कि ये दोनों दल भाजपा के खिलाफ वातावरण तैयार करने में कुछ हद तक सफल हो रहे हैं किंतु गुजरात की जनता ने एक बार फिर लिख कर दे दिया है कि वहां अभी भाजपा का गढ़ हिलाने के लिए कांग्रेस, आम आदमी पार्टी व अन्य दलों को बहुत पसीना बहाना होगा। सूरत नगर निगम में आम आदमी पार्टी जैसे दलों का सफाया हो जाना इस बात का प्रमाण है कि वहां अब भी हिन्दुत्व की विचारधारा की जड़ें मजबूत हैं। गुजरात में आम आदमी पार्टी की हालत खस्ता होने के पीछे एक बड़ा कारण उसके सात राज्यसभा सदस्यों का भाजपा में शामिल होना भी रहा।

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में जब कांग्रेस नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन ने उत्तर प्रदेश की अयोध्या और गुजरात की एक सीट पर भाजपा को हराने में सफलता प्राप्त की तब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को हराने की बात कहकर कई बार गुजरात का दौरा किया था। राहुल सपा सांसद अवधेश प्रसाद को भी गुजरात लेकर गए और अहंकारपूर्ण शब्दों में कहा कि हमने भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी के हिंदुत्व की विचारधारा को उनके मुख्य केंद्र में पटखनी दी है, अब गुजरात की बारी है। गुजरात में मिली इस सफलता पर भाजपा के राज्य नेताओं ने कहा कि यह विकास की राजनीति की जीत है। गुजरात की छवि को खराब करने वाले कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को अपना बोरिया-बिस्तर समेट लेना चाहिए। इन पारिणामों ने साफ कर दिया है कि गुजरात में भाजपा की पकड़ शहरों से लेकर गांवों तक बनी हुई है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों राज्य में नैरेटिव की लड़ाई भाजपा से हार गयीं। इन परिणामों ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि भाजपा सतर्क रही तो राज्य में वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव आसानी से निकल लेगी।

महिला आरक्षण विधेयक पर विपक्ष में पड़ी फूट?

प्रभासाक्षी के साप्ताहिक कार्यक्रम चाय पर समीक्षा में इस सप्ताह हमने संसद सत्र को लेकर चर्चा की। हमेशा की तरह इस कार्यक्रम में मौजूद रहे प्रभासाक्षी के संपादक नीरज कुमार दुबे। नीरज कुमार दुबे से हमने पहला सवाल तो यही पूछा कि जो कुछ भी महिला आरक्षण से जुड़े विधेयक के साथ लोकसभा में हुआ उसको लेकर आप क्या कहेंगे क्योंकि भाजपा जबरदस्त तरीके से विपक्ष को महिला विरोधी बताने में जुटी हुई है। नीरज दुबे ने कहा कि 12 साल हो गए लेकिन यह पहला मौका है जब संसद में मोदी सरकार का कोई बिल पास नहीं हो पाया है। इससे यह साफ हो गया है कि महिला आरक्षण को लेकर पक्ष में कौन है और कौन नहीं है। एक तस्वीर इसको लेकर साफ हो गई है। नीरज दुबे ने कहा कि संसद में बिल के गिरने के बाद से महिला सड़कों पर हैं। महिलाओं में आक्रोश है और यही कारण है कि विपक्ष के कुछ नेताओं के बीच भी इस बात की चिंता शुरू हो गई है कि क्या हमने कोई सही कदम उठाया या नहीं। दावा किया जा रहा है सूत्रों के हवाले से की कई नेताओं ने बीजेपी को यह बताया है कि हम तो इसके लिए तैयार थे। लेकिन पार्टी का लाइन कुछ अलग था। साथ ही साथ नीरज कुमार दुबे ने दावा किया कि कांग्रेस के भी कई ऐसे नेता थे जो इस बिल के पक्ष में थे। नीरज दुबे ने यह भी दावा किया कि प्रियंका गांधी खुद इस बिल का समर्थन करना चाहती थीं लेकिन ऐसा नहीं हो सका। नीरज दुबे ने यह भी कहा कि इस विधेयक को लेकर विपक्षी खेमे में कई गुट सामने आ चुके हैं। इसके साथ ही नीरज दुबे ने कहा कि सरकार 2029 चुनाव में ही महिलाओं को आरक्षण देने के लिए संकल्पित है और इसको लेकर सरकार विधि विकल्प देख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साफ तौर पर हर हाल में इस विधेयक को लेकर काफी प्रतिबद्ध नजर आ रहे हैं और उन्होंने कैबिनेट की बैठक में इसके पास नहीं होने पर चिंता भी जताई है। लेकिन मोदी सरकार की ओर से साफ तौर पर कहा जा रहा है कि महिलाओं को यह हक मिलकर रहेगा और यह सरकार महिलाओं को उनका हक देकर भी रहेगी। सरकार पर जो विपक्ष आरोप लगा रहा है कि एकतरफा और मनमाना फैसला लिया गया। ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी दलों को पत्र लिखा था। संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 की यह हार मोदी सरकार के लिए एक बड़ी राजनीतिक असहजता के रूप में देखी जा रही है। साथ ही यह घटना न केवल एकजुट विपक्ष की ताकत का संकेत देती है, बल्कि संविधान जैसे गंभीर विषयों पर व्यापक और गंभीर संवाद की आवश्यकता को भी रेखांकित करती है। इस पराजय ने यह भी स्पष्ट किया कि संसद में केवल संख्याबल ही नहीं, बल्कि राजनीतिक सहमति भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है।

हम आपको बता दें कि विधेयक की प्रस्तुति और उसकी संरचना ने भी कई सवाल खड़े किए। सबसे अधिक विवाद इस बात को लेकर हुआ कि महिला आरक्षण और परिसीमन जैसे दो अलग विषयों को एक साथ क्यों जोड़ा गया। विपक्ष ने इसे एक रणनीतिक चाल बताया, जिसका उद्देश्य एक मुद्दे की आड़ में दूसरे को आगे बढ़ाना था। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव समेत कई नेताओं ने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह कदम पारदर्शिता के विपरीत है।

लोक के प्रति कब जवाबदेह बनेगी नौकरशाही

देश को अपने लोकतंत्र पर गर्व है, लेकिन इस व्यवस्था में राजनीतिक तंत्र के साथ ही प्रशासनिक और पुलिस अफसर लगातार मजबूत हुए हैं। अंग्रेज सरकार ने इंडियन सिविल सेवा यानी आईसीएस का गठन अपने राजकाज को मजबूत करने के लिए किया था। इसलिए शुरूआती दौर में इसमें गोरे लोगों को ही तवज्जो मिली।

-उमेश चतुर्वेदी

सरदार पटेल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा को ह्यस्टील फ्रेमह्ण बताया था। संविधान सभा में प्रशासनिक सेवा पर बहस के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए मजबूत और तटस्थ नौकरशाही पर जोर दिया था। हालांकि अंग्रेजों के नौकरशाह रह चुके एचवी कामथ को चिंता थी कि वैधानिक सुरक्षा नौकरशाही को गैरजवाबदेह और असल ह्यशासकह्ण बना सकती है। एक अप्रैल को चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल के मालदा की घटना में नौकरशाही ने जैसा रूख अख्तियार किया है, उसे देख लगता है कि पटेल के भरोसे की तुलना में एचवी कामथ की चिंता समय की शिला पर सटीक साबित हुई है। मालदा में पूरे नौ घंटे तक सात न्यायिक अधिकारियों को सियासी कार्यकर्ता के मुखौटे वाले अपराधियों ने बंधक बनाए रखा। उस दौरान कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश भी मुख्य सचिव से संपर्क करने में नाकाम रहे। दिलचस्प यह है कि जब सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य सचिव से जवाब-तलब किया तो उन्होंने माफी मांग कर काम चला लिया। उम्मीद थी कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में शीर्ष अधिकारियों को सबक सिखाने से पीछे नहीं रहेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वह माफी से ही संतुष्ट हो गया।

देश को अपने लोकतंत्र पर गर्व है, लेकिन इस व्यवस्था में राजनीतिक तंत्र के साथ ही प्रशासनिक और पुलिस अफसर लगातार मजबूत हुए हैं। अंग्रेज सरकार ने इंडियन सिविल सेवा यानी आईसीएस का गठन अपने राजकाज को मजबूत करने के लिए किया था। इसलिए शुरूआती दौर में इसमें गोरे लोगों को ही तवज्जो मिली। अंग्रेज सरकार भारतीयों को गुलाम मानती थी, लिहाजा उसके अफसर भी भारतीयों से उसी अंदाज में पेश आते थे। आजादी के बाद नौकरशाही के इस चरित्र को बदलने की कोशिश के तहत तटस्थ ब्यूरोक्रेसी के रूप में आईएएस कैडर बनाया गया। गांधी मानते थे कि आधुनिक राज व्यवस्था और नौकरशाही में हिंसा का वर्चस्व है। गांधी जी 'ट्रस्टीशिप' के सिद्धांत के अनुसार प्रशासनिक या आर्थिक रूप से ताकतवर लोगों से उम्मीद करते थे कि वे संसाधनों के स्वामी नहीं, बल्कि रक्षक की तरह व्यवहार करें। इसी अंदाज में नौकरशाही को सेवक बनाने की कोशिश हुई। लेकिन क्या नौकराशाह सेवक बन पाए? वे सिर्फ उन राजनीतिक आकाओं के ही सेवक बन पाए हैं, जो ताकतवर हैं और जिनसे उन्हें भविष्य में मलाईदार पदों और ताकत की उम्मीद है। यही वजह है कि आजादी के 79 साल बाद भी नौकरशाही का ज्यादातर हिस्सा सामंती मानसिकता से ही प्रभावित नजर आता है। जनता को वह अपनी रियाया मानता है। लोक से सामंतों जैसा व्यवहार करने में ही उसे हेठी नजर आती है। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव दुष्यंत नरियाला का कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का फोन नहीं उठाना इसी सोच का प्रतीक है। यह उस आशंका का भी जीवंत उदाहरण है, जो एचवी कामथ को परेशान कर रही थी। दिलचस्प यह है कि दुष्यंत नरियाला को 16 मार्च को ही चुनाव आयोग ने नंदिनी चक्रवर्ती की जगह नया मुख्य सचिव बनाया था, ताकि वे निष्पक्ष चुनाव करा सकें। नरियाला के व्यवहार से साफ है कि न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने के मामले में उनका रवैया तटस्थ नौकरशाह की बजाय राज्य की मौजूदा सत्ता के इशारे पर ही काम करने वाले जैसा रहा।

लोकतंत्र, लोक यानी आम लोगों का तंत्र है। लेकिन हकीकत में यह राजनीतिक दलों का तंत्र है और इस तंत्र में लोक की भूमिका महज वोट देने तक ही सीमित है। इस तंत्र में नौकरशाही की जवाबदेही राजनीति के हर अच्छे-बुरे कामों में साथ देने और कई बार उसका कहार बनने तक सीमित रह गई है। सरदार पटेल जब इस तंत्र को स्टील फ्रेम कह रहे थे, तो उनका आशय यह था कि भावी नौकरशाही आम लोगों की भलाई और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। पटेल को उम्मीद रही होगी कि नौकरशाह लोक के प्रति जब जवाबदेह होंगे, तब ऐश्वर्य पर उनकी निगाह कम होगी। लेकिन इसके ठीक उलट हो रहा है। नौकरशाही के बड़े हिस्से को अपनी मूल भूमिका की चिंता नहीं सताती। उसकी पूरी कोशिश खुद और खुद के कैडर को मजूबत करने और ज्यादा सुविधाएं जुटाने पर केंद्रित रहती है। ज्यादातर नौकरशाहों के लिए आमजन ठीक वैसी ही प्रजा हैं, जिस तरह अंग्रेजों के थे। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव का व्यवहार इसी सोच का उदाहरण है।

जब कोई आईएएस किसी फरियादी की बात सुनने के लिए जमीन पर बैठ जाता है, या ऐसा ही सामान्य कदम उठाता है तो वह घटना खबर बन जाती है। इसकी वजह यही है कि अफसरों से ऐसे व्यवहार की उम्मीद ही नहीं होती। जनमानस की सोच ऐसी है तो यह मान लेना चाहिए कि पटेल की सोच के मुताबिक नौकरशाही विकसित नहीं हुई, बल्कि एचवी कामथ जैसे लोगों की आशंका ही सही साबित हुई है। नौकरशाही में जब भी किसी का चयन होता है, उसके पड़ोसी और रिश्तेदार तक मान लेते हैं कि कुछ ही दिनों में उसकी कई पुश्तों का इंतजाम हो जाएगा। ज्यादातर ऐसा होता भी है। मध्य प्रदेश जैसे कुछ राज्यों ने लोकपाल की व्यवस्था कर रखी है। वहां आए दिन जिस तरह अधिकारियों के घरों से नोटों की गड्डियां निकलती हैं, उनकी संपत्ति के ब्यौरे सामने आते हैं, उससे पता चलता है कि अफसर बनना जमींदारी हासिल करने से भी ज्यादा फायदेमंद है। ऐसे अफसरों पर कड़ी कार्रवाइयां नजीर बननी चाहिए, लेकिन ऐसा होता नहीं दिखता। अफसरशाही का बड़ा हिस्सा अब भी तंत्र के दोहन की प्रक्रिया में शिद्दत से शामिल है। हाल ही में बिहार के एक सब डिविजनल पुलिस अफसर के बारे में समाचार आया कि उनकी नौकरानी भी थार से चलती है। ऐसा नहीं कि नौकरशाही में ईमानदार लोग नहीं हैं। अशोक खेमका और संजीव चतुर्वेदी इसके उदाहरण हैं। लेकिन उन्हें ना तो नौकरशाही चैन से बैठने देती है और ना ही राजनीतिक आका।

नौकरशाही को तटस्थ और ईमानदार बनाए रखने के लिए पचासों कमेटियां बन चुकी हैं, दो प्रशासनिक सुधार आयोग बन चुके हैं। पहले आयोग के अध्यक्ष तत्कालीन वित्त मंत्री मोरारजी देसाई थे तो दूसरे के कांग्रेसी नेता वीरप्पा मोइली। जान लेना चाहिए कि स्वाधीनता संग्राम में कूदने से पहले मोरार जी भी सिविल सेवा के अधिकारी थे। दोनों आयोगों ने कई सुझाव दिए, कुछ लागू भी हुए। लेकिन असल में नौकरशाही का चरित्र नहीं बदल पाया। वह लोकतांत्रिक नहीं हो पाई।

आपातकाल के दिनों में जयप्रकाश नारायण ने नौकरशाही और पुलिस अफसरों से अपील की थी कि सरकार के असंवैधानिक आदेशों को वे न मानें। तब जेपी को अराजकतावादी कहा गया। हालांकि राजनीतिक व्यवस्था ऐसी है कि नौकरशाही के लिए राजनीति की बात टालना संभव नहीं हैं। एच वी अयंगार जैसे कुछ ही नौकरशाह होते हैं, जो सही बात कह सकते हैं और अपने राजनीतिक आका से अलग राय रख सकते हैं। राज्यों के गठन के पीछे भाषा को आधार बनाने के तत्कालीन गृह सचिव अयंगार विरोधी थे और उन्होंने अपने मंत्री सरदार पटेल के सामने उसे खुलकर रखा भी था। वैसे आज की राजनीति में पटेल जैसा हृदय रखने वाले लोग भी कम हैं। अव्वल तो आज की नौकरशाही नाफरमानी की हिम्मत ही नहीं करती और अगर ऐसी कोशिश करती भी है तो उसे ही किनारे लगा दिया जाता है। इसी वजह से माना जा रहा है कि दुष्यंत नरियाला फिलहाल भले ही अभी चुनाव आयोग को रिपोर्ट कर रहे हों, वे अपने राजनीतिक आका के ही प्रभाव में हैं। नौकरशाही अगर लोकतांत्रिक और तटस्थ नहीं बन पाई है तो इसके पीछे उसके प्रशिक्षण और चयन में भी खामी मानी जाती है। वैसे समाज भी रोजाना अफसरों की बेरूखी से दो-चार होता रहता है, इसके बावजूद जब भी यूपीएससी या पीसीएस के नतीजे आते हैं, चयनित अफसरों पर वह लहालोट हो जाता है। समाज का लहालोट होना भी कई बार नौकरशाही को राजा की तरह व्यवहार करने को प्रेरित करता है। इसी लिए कोई दुष्यंत नरियाला कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के फोन को भी नजरंदाज कर देता है।

देवर्षि नारद: देवताओं के दिव्य दूत और संचार के अग्रणी साधक

मान्यता है कि देवर्षि नारद का जन्म ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा के दिन हुआ था। प्रतिवर्ष इसी दिन नारद जयंती मनाई जाती है, जो इस वर्ष 2 मई को मनाई जा रही है। इस दिन भगवान विष्णु तथा माता लक्ष्मी का पूजन करने के पश्चात देवर्षि नारद की पूजा की जाती है। अपनी वीणा की मधुर तान से भगवान विष्णु का गुणगान करने और अपने श्रीमुख से सदैव नारायण-नारायण का जप करते हुए ।

योगेश कुमार गोयल

देवर्षि नारद जयंती (2 मई) पर विशेष

नारद मुनि की छवि इधर की उधर करने वाले और आपस में भिड़ाकर क्लेश कराने वाले पौराणिक चरित्र के रूप में गढ़ दी गयी है लेकिन वास्तव में उनका प्रमुख उद्देश्य प्रत्येक भक्त की पुकार भगवान तक पहुंचाना परिलक्षित होता है। वे एक लोक से दूसरे लोक में भ्रमण करते हुए संवाद-संकलन का कार्य कर सक्रिय एवं सार्थक संवाददाता की भूमिका निभाते हैं। संवाद के माध्यम से वे तोड़ने का नहीं बल्कि जोड़ने का कार्य करते हैं। देवताओं के ऋषि होने के साथ-साथ उन्हें देवताओं का दिव्य दूत और संचार का अग्रणी साधक माना गया है। उन्हें ब्रह्माण्ड का पहला ऐसा संदेशवाहक माना जाता है, जो एक लोक से दूसरे लोक की परिक्रमा करते हुए सूचनाओं का आदान-प्रदान किया करते थे।

मान्यता है कि देवर्षि नारद का जन्म ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा के दिन हुआ था। प्रतिवर्ष इसी दिन नारद जयंती मनाई जाती है, जो इस वर्ष 2 मई को मनाई जा रही है। इस दिन भगवान विष्णु तथा माता लक्ष्मी का पूजन करने के पश्चात देवर्षि नारद की पूजा की जाती है। अपनी वीणा की मधुर तान से भगवान विष्णु का गुणगान करने और अपने श्रीमुख से सदैव नारायण-नारायण का जप करते हुए विचरण करने वाले नारद को महर्षि व्यास, महर्षि वाल्मीकि तथा महाज्ञानी शुकदेव का गुरू माना जाता है। कुछ शास्त्रों में नारद मुनि को त्रिकालदर्शी और विष्णु का अवतार भी माना गया है। श्रीमद्भागवद्पुराण के

अनुसार सृष्टि में भगवान विष्णु ने देवर्षि नारद के रूप में तीसरा अवतार ग्रहण किया है। कुछ स्थानों पर उनका वर्णन बृहस्पति के शिष्य के रूप में भी मिलता है। धार्मिक पुराणों के अनुसार अनेक कलाओं तथा विद्या में निपुण देवर्षि नारद को संगीत की शिक्षा ब्रह्माजी ने स्वयं दी थी और भगवान विष्णु ने उन्हें माया के विविध रूप समझाए थे। मान्यता है कि देवर्षि नारद ने ही भक्त प्रह्लाद, भक्त अम्बरीष, भक्त ध्रुव इत्यादि भगवान विष्णु के कई परम भक्तों को उपदेश देकर उन्हें भक्ति मार्ग में प्रवृत्त किया था। उन्होंने ही भृगु कन्या लक्ष्मी का विवाह भगवान विष्णु के साथ कराया। देवराज इन्द्र को समझा-बुझाकर देव नर्तकी उर्वशी का पुरुरवा के साथ परिणय सूत्र कराया। इसके अलावा वे कई अत्याचारी महाराक्षसों द्वारा जनता के उत्पीड़न का वृत्तांत भगवान तक पहुंचा कर उनके विनाश का माध्यम भी बने। महर्षि वाल्मीकि को रामायण की रचना करने के लिए प्रेरित किया। यही कारण है कि समस्त युगों, कालों, विधाओं और वर्गों में सम्मान के पात्र रहे नारद जी का सभी लोकों की जानकारी रखने वाले मेधावी नीतिज्ञ तथा प्रभावशाली वक्ता के रूप में स्मरण किया जाता है।

जन-जन के हितकारी देवर्षि नारद किस प्रकार धरती पर विभिन्न प्राणियों को दुखी देखकर स्वयं भी दुखी हो जाते थे, इसका उल्लेख भी एक पौराणिक कथा में मिलता है। कथानुसार, एक बार देवर्षि नारद ने बैकुंठधाम जाकर भगवान विष्णु से निवेदन किया कि वे पृथ्वी पर लोगों को दुखी देखकर खुद बहुत आहत हैं क्योंकि वहां धर्म के रास्ते पर चलने वाले लोगों का नहीं बल्कि गलत कार्य करने वालों का ही भला होता है। भगवान विष्णु ने कहा कि ऐसा नहीं है, जो कुछ भी हो रहा है, सब नियति के जरिये ही हो रहा है। हालांकि उन्होंने पूछा कि आखिर ऐसा उन्होंने क्या देख लिया, जिसके आधार पर वे ऐसा कह रहे हैं? तब देवर्षि ने कहा कि उन्होंने जंगल में दलदली जमीन में फंसी एक गाय देखी। एक चोर वहां आया और गाय को दलदल में फंसी देखकर भी उसकी कोई मदद करने के बजाय वह उसी पर चढ़ कर दलदल लांघ कर निकल गया, उसे आगे जाकर सोने की मोहरों से भरी थैली मिली। कुछ पलों बाद वहां एक वृद्ध साधु आए, जिन्होंने काफी प्रयासों के बाद गाय को दलदल से बाहर निकाल दिया लेकिन थोड़ा आगे जाने पर वही साधु गहरे गड्ढे में गिरकर घायल हो गए। आखिर यह कौन-सा न्याय है?

देवर्षि की बातें सुनने के पश्चात भगवान विष्णु ने कहा कि जो चोर गाय पर चढ़कर भाग गया था, उसकी किस्मत में तो एक बड़ा खजाना था लेकिन उसके इस पाप के कारण उसे केवल कुछ मोहरें ही मिली जबकि साधु को गड्ढे में इसलिए गिरना पड़ा क्योंकि उनके भाग्य में मृत्यु लिखी थी लेकिन गाय को बचाने के कारण उनके पुण्य बढ़ गए और उनकी मृत्यु एक छोटी-सी चोट में बदल गई। भगवान विष्णु ने उन्हें समझाते हुए कहा कि किसी भी इंसान के कर्म से ही उसका भाग्य तय होता है।

सद्गुणों के अथाह भंडार और समस्त शास्त्रों में प्रवीण देवर्षि नारद को शास्त्रों में मन का ऐसा भगवान कहा गया है, जो किसी भी होनी-अनहोनी को समय रहते पहचान लेते हैं। उन्हें वेदों और उपनिषदों का मर्मज्ञ, न्याय तथा धर्म का तत्वज्ञ, शास्त्रों का प्रकांड विद्वान, इतिहास व पुराण विशेषज्ञ, औषधि ज्ञाता, योगनिष्ठ, ज्योतिष एवं संगीत विशारद, भक्ति रस का प्रमुख तथा अतीत की बातों को जानने वाला माना गया है। वे ऐसे पौराणिक चरित्र हैं, जो तत्वज्ञान में परिपूर्ण हैं। पच्चीस हजार श्लोकों वाला प्रसिद्ध ह्यनारद पुराणह्ण देवर्षि द्वारा ही रचा गया है, जिसमें उन्होंने भगवान विष्णु की भक्ति महिमा के साथ-साथ मोक्ष, धर्म, संगीत, ब्रह्मज्ञान, प्रायश्चित इत्यादि कई विषयों की मीमांसा प्रस्तुत की है। इसके अलावा संगीत का एक उत्कृष्ट ग्रंथ ह्यनारद संहिताह्ण भी है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

घर में बांसुरी का यह उपाय लाएगा गुड लक

आज हिंदू धर्म में वास्तु शास्त्र का विशेष महत्व माना जाता है। वास्तु के अनुसार, घर में रखी बांसुरी कई दोषों का निवारण का सबसे सरल और प्रभावी तरीका है। कुछ लोग कितनी भी मेहनत कर लें लेकिन सफलता हाथ नहीं लगती है। ऐसे में अशांति घर में बनीं रहती हैं, तो बांसुरी का एक छोटा-सा उपाय आपकी किस्मत को बदला सकता है। बंद किस्मत के दरवाजे भी खुल जाएंगे। आइए आपको इस लेख में कुछ बांसुरी से जुड़े हुए उपाय बताते हैं।

मानसिक शांति और सफलता के लिए बांसुरी से जुड़ा उपाय

अगर आप काफी समय से करियर या बिजनस में बार-बार आने वाली बाधाओं से परेशान है, तो आप अपने वर्क डेस्क या ऑफिस के केबिन में लकड़ी की बांसुरी रखें। वास्तु शास्त्र के मुताबिक, कार्यक्षेत्र में बांसुरी रखने से एकाग्रता बढ़ती है और व्यक्ति को निर्णय लेने में सुगमता होती है। जिससे बड़ी सफलता के मार्ग प्रशस्त होते हैं।

वैवाहिक जीवन में मधुरता

वैवाहिक जीवन में चल रहे तनाव और बार-बार होने वाले झगड़ों को कम करने के लिए बांसुरी को एक प्रभावी उपाय माना जाता है। यदि पति-पत्नी के रिश्ते में दूरी या कड़वाहट आ गई हो, तो बेडरुम में दो बांसुरियों को एक-दूसरे के ऊपर क्रॉस की तरह लगाना शुभ माना जाता है। ध्यान रखें कि दोनों बांसुरियों का मुंह नीचे की ओर होना चाहिए। ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है, प्रेम में मिठास आती है और आपसी विवाद धीरे-धीरे खत्म होने लगते हैं।

आर्थिक तंगी और बरकत के लिए

अगर आप घर की आर्थिक तंगी से परेशान मुख्य द्वार के पास या तिजोरी के ऊपर बांसुरी रखना शुभ होता है। अगर घर के हॉल या लिविंग रूम में पीले रंग की बांसुरी लगाई जाए, तो इससे धन आगमन के स्त्रोत खुल जाते हैं। वास्तु के अनुसार, बांसुरी की मौजूदगी से घर में लक्ष्मी का वास होता है और बरकत बनी रहती है।

टिप्स

समर में दही खाते वक्त न करें ये कॉमन मिस्टेक

गर्मियों के मौसम में दही का सेवन करना पाचन, हाइड्रेशन और गट हेल्थ के लिए काफी हेल्दी माना जाता है। क्योंकि दही में प्रचुर मात्रा में कैल्शियम, प्रोटीन और गुड बैक्टीरिया (प्रोबायोटिक्स) पाए जाते हैं, जो डाइजेस्टिव सिस्टम को मजबूत करते हैं और शरीर को भी ठंडक पहुंचाता है। भीषण गर्मी में दही का सेवन करने से बॉडी का तापमान संतुलित रहता है और डिहाइड्रेशन से बचाव होता है। समर सीजन में दही खाना आमतौर पर काफी फायदेमंद माना जाता है, हालांकि यह जब भी अच्छा माना जाता है जब आप इसे सही तरीके और समय पर खाना पसंद करें। गर्मियों में दही खाया तो सेहत अच्छी बनेंगी या बिगड़ेगी, यह आपको बताते हैं।

गर्मियों में दही खाने के फायदे : दही खाने से पेट हल्का और सुपाच्य होता है, इसलिए यह एसिडिटी, कब्ज और अपच जैसी समस्याओं में राहत देता है। जब आप लस्सी, छाछ या रायता के रुप में दही का सेवन करते हैं, तो ज्यादा फायदे मिलते हैं, क्योंकि ये शरीर को हाइड्रेट करता है और इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बनाता है। गौरतलब है कि प्रोबायोटिक्स आंतों के गुड बैक्टीरिया को बढ़ाते हैं, जिससे इम्यून सिस्टम भी मजबूत रहता है।

गट हेल्थ के लिए दही का सेवन करना अच्छा माना जाता है। क्योंकि इसमें प्रोबायोटिक्स आंतों के माइक्रोबायोम को संतुलित रखते हैं, जिससे पाचन प्रक्रिया बेहतर होती है और शरीर पोषक तत्वों को प्रभावी तरीके से अवशोषित करता है। प्रतिदिन दही का सेवन करने से गैस, ब्लोटिंग और इर्रिटेबल बॉवेल जैसी समस्याओं में राहत दिलाता है। इसके साथ ही हेल्थ पाचन तंत्र मानसिक स्वास्थ्य को भी सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है, जो कि ऊर्जा और मूड बेहतर रहता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

महिलाओं से जुड़े विधेयक पर विपक्ष का रवैया दुर्भाग्यपूर्ण है : गरिमा साह

साहिबगंज : झारखण्ड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदित्य साहू व साहिबगंज भाजपा जिला अध्यक्ष गौतम यादव के निर्देश पर संसद मे नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर विपक्ष के विरोध के खिलाफ साहिबगंज मे भाजपा जिला उपाध्यक्ष गरिमा साह के नेतृत्व मे मशाल जुलूस और प्रदर्शन किया गया।कार्यक्रम मे मातृ शक्तियों द्वारा महादेवगंज चौक पर इंडी गठबंधन और राहुल गांधी का पुतला दहन किया गया।इस दौरान भाजपा नेताओं ने विपक्षी दलों और उनके नेताओं के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।प्रदर्शन के दौरान गरिमा साह ने कहा कि महिलाओं से जुड़े इस महत्वपूर्ण विधेयक पर विपक्ष का रवैया दुर्भाग्यपूर्ण है।उन्होंने इसे विपक्ष की संकीर्ण सोच बताते हुए कहा कि यह आधी आबादी के अधिकारों के खिलाफ है.साथ ही उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है.वही भाजपा मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल ने कहा कि केंद्र सरकार महिलाओं को समान अधिकार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है,जबकि विपक्ष इस मुद्दे पर राजनीति कर रहा है और इसे दबाने का प्रयास कर रहा है.उन्होंने विपक्ष के रुख की आलोचना करते हुए कहा कि संसद में इस मुद्दे पर विरोध से महिलाओं की भावनाएं आहत हुई हैं.उन्होंने कहा कि अब भाजपा गांव-गांव जाकर महिलाओं को जागरूक करेगी।इस कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल,मंडल महा मंत्री ओम प्रकाश पांडे,जिला उपाध्यक्ष गरिमा साह,मंडल उपाध्यक्ष पवन कुमार यादव,उपाध्यक्ष अमरनाथ जयसवाल, मंडल मंत्री किरण देवी,मंत्री राजीव कुमार मंडल,एससी मोर्चा के मंडल अध्यक्ष यशवंत पासवान,विकास पासवान,पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय कुमार मंडल,करण कुमार यादव, सुधाकर यादव,रणजीत यादव,पप्पू रिखयाशन,कन्हाई मंडल दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दो दिवसीय द्वितीय और अंतिम चरण का फुटबॉल प्रतिभा चयन प्रतियोगिता

साहिबगंज : खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय, झारखंड रांची के निदेश के आलोक में जिला खेल कार्यालय साहिबगंज द्वारा नव सृजित आवासीय बालक फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र के लिए 28 अप्रैल को सिंगा मैदान बरहेट में 115 खिलाड़ियों के चयन उपरांत पुनः सिध्दो-कान्हू स्टेडियम साहिबगंज में 50 खिलाड़ियों के बीच दो दिवसीय द्वितीय और अंतिम चरण का फुटबॉल प्रतिभा चयन प्रतियोगिता एन एस टी सी विधि द्वारा किया गया।स्टेडियम में संचालित अनुमंडल खेल बैंक के सहयोग से खिलाड़ियों को खेल सामग्री उपलब्ध कराया गया। जिससे खिलाड़ियों के शारीरिक मानसिक व स्किल से संबंधित ट्रायल लिया गया। जिसमें अंतिम रूप से 25 एवं 07 प्रतीक्षारत खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। इस अवसर पर अथिति जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुन्नू मिश्रा, जिला शिक्षा अधीक्षक सह जिला खेल पदाधिकारी कुमार हर्ष चयनकर्ता खेल विभाग के कोच योगेश यादव अशोक कुमार खेल शिक्षक बिरेंद्र कुमार, आदित्य कुमार, दीपक कुमार,ए एफ सी फुटबॉल सी लाइसेंस कोच अनिल टुडू, पूर्व राष्ट्रीय फुटबॉलर अनिल रजक, ए आई एफ एफ डी लाइसेंस कोच लाल टुडू समेत अन्य उपस्थित थे।

सशक्त श्रमिक सशक्त समाज के संदेशों से लोगों को प्रेरित किया : अखिल कुमार

साहिबगंज : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में एक मई 2026 को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर पूरे जिले में पीएलवी न्याय मित्रों द्वारा सघन व प्रभाव शाली जन-जागरूकता अभियान चलाया गया।कार्यक्रम के तहत जिले के विभिन्न पंचायतों सार्वजनिक स्थलों निर्माण स्थलों बाजार क्षेत्रों में जागरूकता की गई, जहाँ सशक्त श्रमिक सशक्त समाज जैसे संदेशों के साथ लोगों को प्रेरित किया गया। बैनर पोस्टर और जनसंवाद के माध्यम से श्रमिकों को उनके अधिकारों व कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सह प्रभारी सचिव श्री सिंधु नाथ लामाये ने श्रमिकों के अधिकारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्रमिक समाज की रीढ़ हैं और उनका सम्मान, सुरक्षा एवं न्याय सुनिश्चित करना राज्य का दायित्व है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक श्रमिक को उचित वेतन सुरक्षित कार्यस्थल सामाजिक सुरक्षा का अधिकार प्राप्त है।उन्होंने श्रम कानूनों की जानकारी देते हुए बताया कि न्यूनतम मजदूरी, कार्य के घंटे, महिला श्रमिकों के अधिकार, बाल श्रम निषेध एवं कार्यस्थल पर सुरक्षा से जुड़े सख्त प्रावधान बनाए गए हैं।जिनका उल्लंघन दंडनीय है। साथ ही, उन्होंने श्रमिकों से अपील की कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें और किसी भी प्रकार के शोषण की स्थिति में विधिक सहायता लें।कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सरकारी श्रम कल्याण योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं व निःशुल्क विधिक सहायता से जुड़े प्रावधानों की जानकारी भी विस्तार से दी गई। आम श्रमिकों को पंपलेट वितरित कर उनके अधिकारों कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया गया।इसके अतिरिक्त, नालसा की हेल्पलाइन संख्या 15100 का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया।ताकि किसी भी श्रमिक को यदि उसके अधिकारों का हनन हो या उसे सहायता की आवश्यकता हो तो वह तुरंत संपर्क कर सके।

विधायक निसात आलम ने बरहरवा प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों का किया दौरा

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक निसात आलम ने शुक्रवार को बरहरवा प्रखंड अंतर्गत हस्तिपाड़ा पंचायत के विभिन्न गांवों एवं टोलों का सघन भ्रमण कर आमजनों से सीधा संवाद स्थापित किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और त्वरित समाधान का भरोसा दिलाया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत आयोजित इस दौरे में विधायक ने क्षेत्र के विकास कार्यों की जमीनी हकीकत का जायजा लिया और स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं जरूरतों की जानकारी प्राप्त की। ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर अपनी समस्याएं विधायक के समक्ष रखीं।

भ्रमण कार्यक्रम का क्रम इस प्रकार रहा सबसे पहले विधायक अपराह्न 03:30 बजे जूहीबोना मध्य टोला पहुंचीं, जहां ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। यहां पेयजल संकट, जर्जर सड़क एवं नाली निर्माण की समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं।

इसके पश्चात शाम 04:00 बजे जूहीबोन पश्चिम टोला स्थित हाई स्कूल के समीप आयोजित बैठक में उन्होंने शिक्षा व्यवस्था, विद्यालय की आधारभूत सुविधाओं की कमी एवं युवाओं के रोजगार से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।शाम 04:30 बजे एनटीपीसी टोला में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान बिजली आपूर्ति, जलापूर्ति एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की गई।अंत में शाम 05:00 बजे धोबाही पोखर के पीछे हेमा जी के घर के समीप पहुंचकर विधायक ने विशेष रूप से महिलाओं एवं बुजुर्गों की समस्याओं को सुना और उनके समाधान हेतु आवश्यक पहल का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर विधायक निसात आलम ने कहा कि इस जनसंपर्क अभियान का मुख्य उद्देश्य आम जनता की समस्याओं को सीधे सुनना और उनके समाधान के लिए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं और सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।उन्होंने आगे कहा कि जनसंवाद कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को अपनी समस्याएं सीधे रखने का अवसर मिलता है, जिससे प्रशासनिक स्तर पर त्वरित कार्रवाई संभव हो पाती है। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देने की भी बात उन्होंने कही।भ्रमण कार्यक्रम में प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू, कार्यकारी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष अशोक दास, मुफक्कर हुसैन, बैदूल रहमान, अक्तारुल,सफातुल्ला, नाबीद अंजुम, दिलदार आलम,नेहाल अख्तर,महबूब आलम, हेमातूर रहमान, शकील अहमद, अब्दुस सुकुर, परवेज, शारिक रब्बानी, थॉमस रॉबर्ट,शेखावत आलम, हबीबुल्ला, फिरोज आलम, मुसफेक आलम, कमीरुल इस्लाम, सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि,काँग्रेस पार्टी कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

आने वाले वर्षों की योजनाओं, संसाधनों के वितरण और विकास की दिशा तय करती है : उपयुक्त

शुरू हुई 'स्व-गणना 16 मई से 3083 कर्मी करेंगे घर-घर सर्वे

साहिबगंज जिले के 12 चार्ज और 3246 एचएलबी में प्रशासनिक तैयारियां पूरी

संवाददाता

साहिबगंज : भारत की जनगणना विश्व का सबसे बड़ा प्रशासनिक कार्य है। जिसे जनगणना अधिनियम, 1948 और जनगणना नियमावली, 1990 के कानूनी प्रावधानों के अन्तर्गत संचालित किया जाता है । इसे साहेबगंज जिले में सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई हैं। यह जनगणना प्रक्रिया के आधुनिकीकरण की दिशा में एक परिवर्त्तनकारी कदम है, क्योंकि जनगणना 2027 डिजिटल मोड में होगी ।जनगणना के दो चरणजिले और राज्य में जनगणना 2027 दो चरणों में करायी जा रही है।प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना 16 मई से 14 जून 2026 तक झारखंड में द्वितीय चरण जनसंख्या गणना फरवरी 2027 9 फरवरी से 28 फरवरी 2027 तक।इस डिजिटल प्रक्रिया के तहत प्रतिनियुक्त प्रगणक और पर्यवेक्षक कागजी फॉर्म के बजाय अपने मोबाइल उपकरणों का उपयोग करके आँकड़े एकत्रित करेंगे और उन्हें सीधे केन्द्रीय सर्वर पर अपलोड करेंगे ।आम जनता के लिए 'स्व-गणना' की सुविधा शुरू जनगणना 2027 में पहली बार आम जनता के लिए स्व-गणना का विकल्प भी उपलब्ध कराया गया है । 1 मई 2026 आज से 15 मई2026 तक कोई भी नागरिक पोर्टल पर जाकर अपनी स्व-गणना कर सकता है ।स्व-गणना के अंतर्गत नागरिकों को कुल 33 आसान सवालों के जवाब देने होंगे । इन सवालों में मकान की स्थिति, परिवार की जानकारी सदस्यों की संख्या, मुखिया का नाम, मकान का स्वामित्व, उपलब्ध सुविधाएँ, परिवार द्वारा धारित संपत्तियां और उपयोग किए जाने वाले मुख्य अनाज व मोबाइल नंबर आदि की जानकारी शामिल है।साहिबगंज जिले की प्रशासनिक रूपरेखा एवं प्रशिक्षण प्रथम चरण के मकान सूचीकरण और गणना कार्य को सुव्यवस्थित तरीके से पूरा करने के लिए पूरे साहेबगंज जिले को 12 चार्ज में विभाजित किया गया है। जिसमें 3 शहरी और 9 ग्रामीण चार्ज हैं । शहरी चार्ज नगर परिषद साहेबगंज, नगर पंचायत राजमहल, और नगर पंचायत बरहरवा, ग्रामीण चार्ज प्रखंड कार्यालय साहेबगंज, मंडरो, बोरियो, बरहेट, तालझारी, राजमहल, बरहरवा, पतना, और उधवा,इस वृहद कार्य के लिए पूरे जिले में कुल 3246 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक बनाए गए हैं । जिले में कुल 3083 कर्मियों को इस कार्य के लिए प्रतिनियुक्त किया गया है। सभी कर्मियों को पूर्ण रूप से प्रशिक्षित करने के लिए जिले में 66 बैच बनाए गए हैं । वर्तमान में 44 फील्ड ट्रेनर्स के माध्यम से दिनांक 27.04.2026 से 09 मई तक सभी कर्मियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है । प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात, ये कर्मी 16 मई से 14 जून तक अपने-अपने आवंटित एच एलबी में घर-घर जाकर मकान सूचीकरण तथा मकानों की गणना का कार्य सुनिश्चित करेंगे। उपायुक्त साहिबगंज की अपील उपायुक्त साहिबगंज श्री दीपक कुमार दुबे ने जिले के सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि जनगणना 2027 देश के विकास की दिशा तय करने वाला एक महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने कहा कि पहली बार डिजिटल माध्यम से हो रही इस जनगणना में ह्यस्व-गणनाह्न की सुविधा नागरिकों के लिए एक सशक्त अवसर है। जिससे वे स्वयं अपनी सही एवं सटीक जानकारी दर्ज कर सकते हैं।उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे 01 मई से 15 मई 2026 तक उपलब्ध सुविधा का अधिकतम उपयोग करें तथा 16 मई से घर-घर आने वाले प्रगणकों को भी पूर्ण सहयोग प्रदान करें।उपायुक्त ने कहा कि आपकी एक सही जानकारी आने वाले वर्षों की योजनाओं संसाधनों के वितरण और विकास की दिशा तय करती है। इसलिए प्रत्येक नागरिक की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है।उन्होंने सभी से इस राष्ट्रीय महाभियान को सफल बनाने हेतु सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की।

मंत्री पद से हटाने की कार्रवाई की जाए : दीपक आनंद

संवाददाता

साहिबगंज : बरहरवा प्रेस क्लब द्वारा गुरुवार को बरहरवा कुशवाहा टोला स्थित आरबी पैलेस में प्रेस क्लब के अध्यक्ष दीपक आनंद की अध्यक्षता में आवश्यक बैठक आयोजित की गई। इस दौरान बीते दिन हजारीबाग में पत्रकार पर हुए जानलेवा हमले की कड़ी निंदा मौजूद साथियों के द्वारा किया गया।साथ ही सभी पत्रकार साथी काला बिल्ला लगाकर विरोध प्रदर्शन करते हुए सर्वसम्मति से झारखंड के मुखिया के नाम बरहरवा प्रखंड विकास पदाधिकारी सनी कुमार दास को आवेदन प्रेषित करते हुए तीन सूत्री मांग पत्र सौपा है।जिसमें मुख्य रूप से घटना में संलिप्त असामाजिक तत्वों की शीघ्र पहचान कर उन्हें तत्काल गिरफ्तार करते हुए कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु पत्रकार सुरक्षा कानून को अविलंब लागू किया जाए। इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराते हुए नैतिक जिम्मेदारी तय की जाए और आवश्यकता नुसार मंत्री पद से हटाने की कार्रवाई की जाए शामिल हैं।इस दौरान बरहरवा प्रेस क्लब के संरक्षक रमेश हेम्ब्रम ने बताया कि उक्त घटना की जितनी भी निंदा की जाए कम है। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी एवं मंत्री के सुरक्षा कर्मी के मौजूदगी में पत्रकारों पर किए गए हमला यह लोकतंत्र के चौथे स्तंभ,स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मीडिया पर सीधा प्रहार है।इस प्रकार की घटनाएं न केवल पत्रकारों की सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं,बल्कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को भी गंभीर रूप से प्रभावित करती हैं।साथ ही उन्होंने उक्त मामले की जांच स्वतंत्र एजेंसी से कराते हुए सभी दोषियों पर विधिवत कार्रवाई करना सुनिश्चित करने कि मांग किया है।अन्यथा न्याय की प्राप्ति हेतु हमें लोकतांत्रिक तरीकों से आंदोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।मौके पर प्रेस क्लब की अध्यक्ष दीपक आनंद,फरोग अहसन, देवजीत कुशवाहा, भास्कर यादव , मकसूद मल्लिक, राहुल कुमार कुशवाहा,भक्ति पांडे, मुशर्रफ हुसैन, संतोष शर्मा,संतोष तिवारी सहित अन्य मौजूद रहे।

छात्रों की सफलता कठिन परिश्रम अनुशासन का परिणाम है : शिक्षक

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : प्रखंड के यादवनगर स्थित टोटल ट्यूशन सेंटर द्वारा एक सम्मान समारोह आयोजित कर मेधावी छात्र नासिर आलम और नगमा तबस्सुम को सम्मानित किया गया।इस अवसर पर कोचिंग के शिक्षकों ने दोनों विद्यार्थियों की मेहनत और उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह और मेडल प्रदान किए।अपग्रेड हाई स्कूल, जूहिबोना के छात्र नासिर आलम ने 82 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है।वहीं अपग्रेड हाई स्कूल,हस्तीपाड़ा की छात्रा नगमा तबस्सुम ने 86.40 प्रतिशत अंक हासिल कर अपने विद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया।समारोह में उपस्थित शिक्षकों ने कहा कि इन दोनों छात्रों की सफलता उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन और सही मार्गदर्शन का परिणाम है।टोटल ट्यूशन सेंटर के शिक्षकों ने बताया कि सही दिशा-निर्देशन और निरंतर अभ्यास से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है,जिसका उदाहरण नासिर और नगमा ने प्रस्तुत किया है।इस दौरान दोनों विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।शिक्षकों ने अन्य छात्रों से भी इनसे प्रेरणा लेने और मेहनत के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया।कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने दोनों छात्रों की उपलब्धि को पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात बताया और कहा कि ऐसे प्रतिभाशाली छात्र समाज और देश का नाम रोशन करते हैं।

वार्डवासियों ने कांग्रेस प्रखंड महासचिव निताय सरकार से की शिकायत

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : नगर पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या 03 के हरिजन पाड़ा मे दिनांक 28/4/2026 दिन मंगलवार को एक गंभीर रूप से बीमार मरीज को एम्बुलेंस तक पहुँचाने मे हो रही दिक्कतों एवं नाला पार करने के दौरान कई बच्चों के नाले मे गिरने औरतों एवं बुजुर्गो नाला पार करने जैसी समस्याओ को देखते हुए वार्ड वासियों ने कांग्रेस प्रखण्ड महासचिव सह पूर्व वार्ड प्रत्याशी निताय सरकार को शिकायत किया जिसपे निताय सरकार द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए कार्यपालक पदाधिकारी से सम्पर्क कर उस अर्ध निर्मित नाला मे सीमेंटेड बड़ी पाइप डलवा कर तत्काल आम जनों को जाने आने के लिए समस्या का समाधान करवाया जिस पर वार्ड संख्या 03 के हरिजन पाड़ा निवासियो ने निताय सरकार का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। मौके पर वार्ड पार्षद अमित भारती,संजय रविदास, रतन रविदास,मनोज रविदास,अरुण रविदास,सोखी रविदास,चंदु रविदास, संजीव आर्य,अर्जुन रविदास,मानिक रविदास,सन्नी रविदास सहित समस्त हरिजन पाड़ा निवासी एवं सम्मानित नगर पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

बंगालीपाड़ा में बंद घर को निशाना बनाकर लाखों रुपए के जेवरात और नगदी चोरी

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : जिले के बरहरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत बंगालीपाड़ा में बंद घर को निशाना बनाकर लाखों रुपये के जेवरात और नगदी चोरी की घटना अंजाम दिया है।यह भी साबित कर दिया है कि अपराधियों के हौसले किस कदर बुलंद हो चुके हैं। फिर उन्हें कहीं न कहीं संरक्षण प्राप्त है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिस घर में चोरी हुई वह बरहरवा थाना से सड़क मार्ग से महज करीब 450 मीटर की दूरी पर स्थित है। जबकि सीधी दूरी 250 मीटर से भी कम है। यानी अपराधियों ने थाना के कुछ दूरी पर वारदात को अंजाम दिया और आराम से निकल भी गए। घटना किसी सुनसान आधी रात में नहीं लगभग रात 9 से 11 बजे के बीच हुई। बंगालीपाड़ा निवासी ध्वजेन कुमार घोष के घर में बीते रात यह वारदात हुई। वे अपने परिवार के साथ घर में ताला लगाकर पास ही एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। डेढ़ घंटे बाद लौटने पर मुख्य दरवाजा अंदर से बंद मिला जिससे संदेह और गहरा गया। पीछे के रास्ते से अंदर जाने पर घर का नजारा पूरी तरह तबाह मिला तीनों कमरों में सामान बिखरा पड़ा था और अलमारियां खंगाली जा चुकी थीं। चोरों ने खिड़की का ग्रिल तोड़कर घर में प्रवेश किया और बेहद सुनियोजित तरीके से चोरी को अंजाम दिया। सोने-चांदी के बहुमूल्य गहनों जिनमें शाका, पोला, मंगटीका, पांच अंगूठियां, पांच जोड़ी झुमके, हीरे के आभूषण और मंगलसूत्र शामिल हैं।के साथ करीब 1.10 लाख रुपये नकद और हजारों रुपये के सिक्के भी गायब हैं। कुल मिलाकर लगभग 7 लाख रुपये के जेवरात और 1.13 लाख रुपये

नगद की चोरी हुई है। घटना की सूचना पर बरहरवा थाना पुलिस को सूचना मिलते ही अपने दल बल के साथ घटना स्थल पहुंचे पहुंचते ही जांच शुरू कर दिया गया। थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह ने जल्द खुलासा और गिरफ्तारी का भरोसा जरूर दिलाया है।लेकिन क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं के बीच यह भरोसा अब लोगों को खोखला और रटा-रटाया बयान ही प्रतीत होता है। दरअसल, बरहरवा थाना क्षेत्र में पिछले कई महीनों से चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। लेकिन पुलिस की गशती व्यवस्था पूरी तरह फेल नजर आ रही है। थाना के इतने करीब व्यस्त समय में हुई यह घटना पुलिस की कार्यशैली पर सबसे बड़ा सवाल खड़ा करती है। अगर थाना से चंद कदम की दूरी पर भी लोग सुरक्षित नहीं हैं। तो फिर बाकी इलाके की स्थिति का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। स्थानीय लोगों के बीच अब यह चर्चा आम हो गई है कि पुलिस की प्राथमिकता सुरक्षा नहीं उम्मीद करना है कि वह मोहल्लों में गश्त कर अपराध रोक पाएगी लोगों को अब भ्रम से ज्यादा कुछ नहीं लगता। यही वजह है कि अपराधी बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दे रहे हैं और पुलिस सिर्फ कागजी कार्रवाई में उलझी नजर आती है। बरहरवा में हालात इस कदर बिगड़ चुके हैं कि लोगों का पुलिस पर भरोसा लगातार टूट रहा है। यह घटना न केवल एक परिवार की जमा-पूंजी की लूट है। जबकि पूरे सिस्टम पर एक करारा तमाचा भी है। अब सवाल यह है कि क्या पुलिस इस घटना को भी महज एक और केस बनाकर फाइलों में दबा देगी या फिर वाकई कोई ठोस कार्रवाई कर यह साबित करेगी कि कानून का डर अभी जिंदा है। क्योंकि फिलहाल तो तस्वीर साफ नजर आ रही है।

आईपीएल 2026: राहुल बने ऑरेंज कैप के नए लीडर, पर्पल कैप सूची में आर्चर दूसरे स्थान पर

एजेंसी

नई दिल्ली : इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में ऑरेंज कैप की रेस लगातार रोमांचक होती जा रही है। शुक्रवार रात राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स के मुकाबले के बाद ऑरेंज कैप की सूची में बड़ा बदलाव देखने को मिला, जहां दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान केएल राहुल शीर्ष स्थान पर पहुंच गए। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में भी अहम बदलाव दर्ज किया गया है।

ऑरेंज कैप सूची

दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल शानदार फॉर्म में हैं। इस सीजन में उन्होंने 433 रन बनाकर ऑरेंज कैप पर कब्जा जमा लिया है। राहुल ने अब तक कुछ छोटी पारियों के बावजूद 92, 57, 37, नाबाद 152 और 75 रनों की बेहतरीन पारियां खेली हैं, जिसने उन्हें शीर्ष पर पहुंचा दिया। राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी, जो मैच से पहले 400 रन के साथ शीर्ष पर थे, इस मुकाबले में सिर्फ 4 रन ही बना सके और अब वे चौथे स्थान पर खिसक गए हैं। उनके ऊपर सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा (425 रन) और हेनरिक क्लासेन (414 रन) दूसरे और तीसरे स्थान पर मौजूद हैं। यशस्वी जायसवाल भी इस मैच में असफल रहे और 6 रन बनाकर अब 312 रनों के साथ 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इसके अलावा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली, गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल, बी साई सुदर्शन, ईशान किशन और पंजाब किंग्स के प्रभसिमरन सिंह शीर्ष 10 में शामिल हैं। गेंदबाजी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार शीर्ष पर बने हुए हैं। इस सीजन में उनके पांच बार तीन विकेट लेने के प्रदर्शन ने उन्हें 17 विकेट तक पहुंचा दिया है। हालांकि दूसरे स्थान पर अब राजस्थान रॉयल्स के जोफ्रा आर्चर पहुंच गए हैं, जिनके नाम 15 विकेट हैं। उनके साथ सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान मलिंगा भी 15 विकेट के साथ मौजूद हैं, लेकिन बेहतर इकॉनमी रेट (8.62) के चलते आर्चर दूसरे स्थान पर हैं। भुवनेश्वर का इकॉनमी रेट 7.54 है, जो शीर्ष 10 गेंदबाजों में सबसे बेहतर है। चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज और गुजरात टाइटंस के कागिसो रबाडा 14-14 विकेट के साथ सूची में बने हुए हैं। कंबोज को आगे बढ़ने का मौका तब मिलेगा जब उनकी टीम अगला मुकाबला खेलेगी। आईपीएल 2026 में ऑरेंज और पर्पल कैप की यह जंग आने वाले मैचों में और भी रोमांचक होने की उम्मीद है।

समय और अनुभव के साथ बदला काम चुनने का नजरिया: सई

फिल्म और मनोरंजन की दुनिया में कलाकारों की सोच, पसंद और काम को देखने का नजरिया बदलता रहता है। कई कलाकार अपने करियर की शुरुआत में हर तरह के किरदार निभाते हैं, लेकिन धीरे-धीरे अनुभव बढ़ने के साथ वे यह समझने लगते हैं कि उन्हें किस तरह का काम करना है और दर्शकों के बीच कैसी पहचान बनानी है। इसी विषय पर अभिनेत्री सई ताम्हणकर ने आईएएनएस से खुलकर बात की है। इन दिनों वह अपनी नई सीरीज 'मटका किंग' को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें वह बरखा के किरदार में नजर आ रही हैं।

आईएएनएस ने जब सई ताम्हणकर से पूछा कि क्या उनके करियर में ऐसा कोई मोड़ आया, जब उन्होंने यह तय किया कि अब वह कुछ खास तरह के किरदार नहीं करेंगी? सई ने हमेशा अलग और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाए है। उन्होंने 'हंटरर', 'लव सोनिया', 'मिमी', 'इंडिया लॉकडाउन' और 'ग्राउंड जीरो' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से लोगों का ध्यान खींचा है। इन फिल्मों में उनके किरदार काफी अलग रहे हैं। सई ताम्हणकर वेब सीरीज बिंदिया के बाहुबली में भी अपनी डायलॉग डिलीवरी से दर्शकों का ध्यान खींच चुकी हैं। इस सवाल का जवाब देते हुए सई ने कहा, ''मेरे जीवन में ऐसा कोई भी बड़ा मोड़ नहीं आया। यह बदलाव धीरे-धीरे अनुभव के साथ आता है। जब कोई कलाकार लंबे समय तक इस उद्योग में काम करता है, तो उसे खुद की पहचान समझ आने लगती है। वह यह महसूस करने लगता है कि उसे किस तरह का काम करना अच्छा लगता है और वह चाहता है कि लोग उसे किस तरह के किरदारों के लिए याद रखें।'' अभिनेत्री ने कहा, ''यह पूरी प्रक्रिया लगातार चलती रहती है। इंसान समय के साथ सीखता है और उसकी सोच भी बदलती रहती है। अब शायद मुझे अपने काम और अपने चुनावों को लेकर पहले से ज्यादा स्पष्टता मिल गई है। इसी वजह से लोगों को मेरे काम में बदलाव नजर आ रहा है। हालांकि मैंने अपने लिए कोई सख्त नियम नहीं बनाए हैं कि मैं कौन सा किरदार करूंगी और कौन सा नहीं।'' सई ताम्हणकर ने कहा, ''मेरी पसंद और सोच समय के साथ स्वाभाविक रूप से बदली है। अनुभव, लगातार काम करने की प्रक्रिया और जीवन में आई समझदारी ने मेरे नजरिए को बदल दिया है। अब मैं पहले से अलग तरह की कहानियों और किरदारों की तरफ ज्यादा आकर्षित होती हैं। यह बदलाव किसी दबाव में नहीं, बल्कि अपने आप आया है।''

मैड्रिड ओपन 2026: अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अलेक्जेंडर ब्लॉक्स को हराकर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

मैड्रिड : मैड्रिड ओपन में विश्व नंबर-3 अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने शुक्रवार रात शानदार प्रदर्शन करते हुए बेल्जियम के उभरते खिलाड़ी अलेक्जेंडर ब्लॉक्स को सीधे सेटों में 6-2, 7-5 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना विश्व नंबर-1 जानिक सिनर से होगा। मैच के बाद ज्वेरेव ने कहा, झफाइनल में पहुंचकर मैं बेहद खुश हूं। यहां कई कठिन मुकाबले और संघर्ष देखने को मिले। मैं जानिक सिनर के खिलाफ फिर खेलने को लेकर उत्साहित हूं। इस

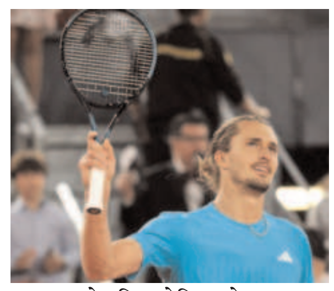

समय उनके लिए टेनिस खेलना बहुत आसान लग रहा है, लेकिन उम्मीद है कि फाइनल में मैं उन्हें कड़ी टक्कर दूंगा। ज्वेरेव ने मुकाबले की शुरूआत से ही दबदबा बनाए रखा और पहले सेट में पहले और पांचवें गेम में ब्रेक हासिल कर 5-1 की बढ़त बना ली। हालांकि ब्लॉक्स ने संघर्ष दिखाते हुए कुछ सेट प्वाइंट बचाए, लेकिन जर्मन खिलाड़ी ने चौथे मौके पर सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में ब्लॉक्स ने कड़ा मुकाबला किया और कई ब्रेक प्वाइंट बचाए, लेकिन अंततः ज्वेरेव ने 6-5 की बढ़त बनाते हुए निर्णायक ब्रेक हासिल किया और मैच जीत लिया। इस जीत के साथ ज्वेरेव इस सत्र में पहली बार फाइनल में पहुंचे हैं। वह इससे पहले 2018 और 2021 में मैड्रिड ओपन का खिताब जीत चुके हैं और अब तीसरी बार ट्रॉफी जीतने के इरादे से उतरेंगे।

आईपीएल 2026: काइल जैमीसन पर आचार संहिता उल्लंघन का आरोप, चेतावनी के साथ एक डिमेरिट अंक मिला

एजेंसी

जयपुर : इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 43वें मुकाबले में आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन पर कार्रवाई की गई है।

आईपीएल की ओर से जारी बयान के अनुसार, जैमीसन को लेवल-1 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जिसके चलते उन्हें एक डिमेरिट अंक दिया गया और आधिकारिक चेतावनी जारी की गई। जैमीसन ने आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन किया, जो ऐसे व्यवहार से संबंधित है जिसमें खिलाड़ी द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा, हरकत या इशारा दूसरे खिलाड़ी को उकसा सकता है या अपमानजनक माना जा सकता है।यह घटना राजस्थान रॉयल्स के

खिलाफ जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के दौरान पहली पारी के दूसरे ओवर में हुई। जैमीसन ने जैसे ही वैभव सूर्यवंशी को आउट किया, उसके बाद वह बल्लेबाज के काफी करीब जाकर आक्रामक अंदाज में नजर आए, जिसे उकसाने वाला व्यवहार माना गया। मैच रेफरी राजीव सेठ द्वारा दी गई सजा को जैमीसन ने स्वीकार कर लिया है। यह मैच दिल्ली कैपिटल्स ने 7 विकेट से जीता।

'गोलमाल 5' की शूटिंग शुरू

पुराने अंदाज में लौट रही है अजय और रोहित की टोली

निर्देशक रोहित शेट्टी की फिल्म 'गोलमाल' पांचवीं फ्रेंचाइजी के साथ पर्दे पर वापसी कर रही है। फिल्म की शूटिंग इस वक्त ऊटी में चल रही है। सोमवार को अभिनेता अजय देवगन और रोहित शेट्टी ने इंस्टाग्राम के जरिए फिल्म की शूटिंग की जानकारी दी। अभिनेता ने एक मोशन पोस्टर जारी किया। इसमें पुराने कलाकारों की टोली शामिल है, जिनमें अजय देवगन समेत शरमन जोशी, अरशद वारसी, तुषार कपूर, कुणाल खेमू, शरमन और श्रेयस तलपड़े भी नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने पोस्ट कर लिखा, 'इस बार सवारी बड़ी है और एंटरटेनमेंट उससे भी ज्यादा बड़ा होगा। 'गोलमाल 5' ऊटी शेड्यूल।

निर्देशक रोहित शेट्टी ने भी अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का मोशन पोस्ट शेयर कर लिखा, '20 साल से पॉजिटिव वाइब्स से गुज़र रहे हैं गोलमाल 5 7 ऊटी शेड्यूल। ' दोनों की पोस्ट देख फैंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं और कमेंट सेक्शन में शूटिंग जल्द खत्म होने की उम्मीद जताई जा रही है। गोलमाल की पहली फ्रेंचाइजी साल 2006 में रिलीज हुई थी। इसमें अजय, तुषार, अरशद और शरमन के साथ रिमी सेन और परेश रावल अहम भूमिका में नजर आए थे।

'सिचुएशनशिप' विवाद पर रकुल प्रीत ने लगाई पति जैकी भगनानी को फटकार

सोशल मीडिया के दौर में कई बार किसी इंटरव्यू की एक छोटी-सी बात भी इतनी तेजी से फैल जाती है कि उसका असली मतलब कहीं पीछे छूट जाता है। कुछ ऐसा ही हुआ निर्माता और अभिनेता जैकी भगनानी और अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के साथ। हाल ही में जैकी ने अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर ऐसा बयान दे दिया, जिसने इंटरनेट पर हलचल मचा दी। उन्होंने अपने रिश्ते को 'सिचुएशनशिप' कह दिया, जिसके बाद लोग उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। मामला बढ़ता देख अब रकुल और जैकी दोनों ने इस पूरे विवाद पर मजाकिया अंदाज में प्रतिक्रिया दी है। दरअसल, हाल ही में एक बातचीत के दौरान जैकी भगनानी ने कहा था, 'रकुल और मैं शादीशुदा जरूर हैं, लेकिन हमारा रिश्ता एक तरह का सिचुएशनशिप है। भगवान ने हमें एक-दूसरे के लिए बनाया है, इसलिए शादी हुई है। मैं रकुल से हर बात खुलकर कह सकता हूं। अगर रकुल के सामने मेरी कोई एक्स गर्लफ्रेंड फोन करती है, तो मैं फोन स्पीकर पर डाल देता हूं। अपने शादीशुदा रिश्ते को 'सिचुएशनशिप' का नाम देने पर जैकी लोगों के निशाने पर आ गए। अब इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए रकुल प्रीत सिंह ने इंस्टाग्राम पर मजेदार वीडियो शेयर किया। वीडियो में रकुल, जैकी को डांटती दिखाई दे रही हैं। वह कहती हैं, ''मैंने तुमसे कितनी बार कहा है कि हम मिलेनियल्स हैं, जेन जी की तरह अजीब शब्दों का इस्तेमाल मत करो।'' इस दौरान रकुल के चेहरे के हावभाव और बोलने का तरीका इतना मजेदार था कि यह वीडियो देखते ही देखते लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। वीडियो में जैकी भगनानी भी अपनी सफाई देते नजर आए।

आयुष्मान ने बताया कैसे सेलेक्ट करते हैं स्क्रिप्ट?

आयुष्मान खुराना इस साल तीन फिल्मों में नजर आने वाले हैं। इन दिनों आयुष्मान 'पति पत्नी और वो दो', 'उड़ता तीर' और 'ये प्रेम मोल लिया' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। आयुष्मान ने आने वाली फिल्मों में अपने किरदारों को लेकर बात की। साथ ही बताया कि वह हर फिल्म के साथ कुछ नया करने की कोशिश क्यों करते हैं?

आयुष्मान खुराना इस साल 2026 में तीन फिल्मों में नजर आने वाले हैं, ये सभी फिल्में एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। पहली फिल्म कॉमेडी और रिश्तों पर है। जबकि दूसरी फिल्म अनोखी और विद्रोही है। तीसरी फिल्म परिवार और परंपरा पर आधारित है। पहली फिल्म 'पति पत्नी और वो दो', जो 15 मई को रिलीज होगी। दूसरी फिल्म 'उड़ता तीर', जो 11 सितंबर को आएगी। तीसरी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया', जो 27 नवंबर को रिलीज होगी।

अदा शर्मा फिल्म

'गवर्नर' में मनोज बाजपेयी के साथ काम को लेकर उत्साहित

अभिनेत्री अदा शर्मा आने वाली फिल्म 'गवर्नर' में अभिनेता मनोज बाजपेयी के साथ काम को लेकर खुश हैं। वे इस फिल्म में मनोज बाजपेयी के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। उन्होंने कहा कि वह उनके साथ काम करके बहुत खुश हैं। इसके साथ ही, अभिनेत्री ने मनोज बाजपेयी की खूब प्रशंसा की। मनोज बाजपेयी के साथ पहली बार काम करने के बारे में अदा शर्मा ने बात करते हुए ??कहा, 'वह (बाजपेयी) इस फिल्म का चेहरा हैं। वह 'गवर्नर' में गवर्नर का रोल निभा रहे हैं।' फिल्म में अपने किरदार के बारे में अदा शर्मा ने कहा, 'मैं उनके साथ स्क्रीन शेयर करके बहुत खुश हूं। हमारे डायरेक्टर चिन्मय मंडलेकर बहुत अच्छे हैं, जो खुद भी एक शानदार एक्टर हैं। मेरे किरदार में भी एक अच्छा सरप्राइज है और यह कुछ ऐसा है जो मैंने पहले कभी नहीं किया। झ बता दें कि 23 अप्रैल को मनोज बाजपेयी के जन्मदिन पर फिल्म का पोस्टर रिलीज किया गया था। फिल्ममेकर विपुल अमृतलाल शाह ने यह पोस्टर रिलीज किया। चिन्मय मंडलेकर की ओर से निर्देशित फिल्म 'गवर्नर: द साइलेंट सेवियर' के पहले पोस्टर में मनोज पीछे से नजर आ रहे हैं। वह एक बैग लेकर कॉरिडोर में चल रहे हैं। इसके साथ टैगलाइन है, 'अगर मैं फेल हुआ... तो इंडिया फेल हो जाएगा', जो एक जबरदस्त लीगल ड्रामा की ओर इशारा करती है। पोस्टर में एक हरी कुर्सी को खास तौर पर दिखाया गया है, जिसके साथ टैगलाइन हैं- 'यह सिर्फ कुर्सी नहीं, जिम्मेदारी है।' यह टैगलाइन देश पर आधारित एक गंभीर कहानी की ओर इशारा करती है। चिन्मय मंडलेकर की ओर से निर्देशित इस फिल्म को सनशाइन पिक्चर्स ने प्रस्तुत किया है। विपुल अमृतलाल शाह फिल्म के प्रोड्यूसर हैं और को-प्रोड्यूसर आसीन ए. शाह हैं। इसकी कहानी सुवेंदु भट्टाचार्य, सौरभ भारत, रवि असरानी और विपुल अमृतलाल शाह ने लिखी है।

ऐसी सिनेमाई दुनिया पहले कभी नहीं देखी: रुक्मिणी वसंत

'कांतारा: ए लीजेंड चैप्टर 1' की सफलता का जश्न मना रही अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत अब अपनी अगली बड़ी फिल्म 'टॉक्सिक: अ फेरीटेल फॉर ग्रो-अप्स' को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रही हैं। हाल ही में रुक्मिणी ने फिल्म के भव्य स्केल और अनोखी दुनिया के बारे में खुलकर बात की। रुक्मिणी वसंत ने बताया कि फिल्म का स्केल इतना बड़ा और प्रभावशाली है कि उन्होंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं देखा। उन्होंने कहा, 'इसका स्केल निश्चित रूप से ऐसा है जैसा मैंने अब तक कभी नहीं देखा। फिल्म के लिए बनाई जा रही सिनेमाई दुनिया पूरी तरह फ्रेश और बेहद भव्य है। निर्देशक गीतू मोहनदास और अभिनेता यश द्वारा तैयार की जा रही इस दुनिया को देखकर उन्हें बहुत खुशी हो रही है। रुक्मिणी ने बताया, 'मुझे लगता है कि हमारी डायरेक्टर गीतू मोहनदास और यश जो फिल्म तैयार कर रहे हैं, वह इतनी विशाल और नई है कि यह मुझे सचमुच कुछ अनोखा और अलग लगता है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं।

ऑपरेशन म्यूल हंटर: ऑनलाइन ठगी के बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

एजेंसी

बांसवाड़ा : बांसवाड़ा में साइबर पुलिस ने ऑनलाइन धोखाधड़ी और संदिग्ध बैंकिंग नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। डीजी साइबर क्राइम के निर्देश पर 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलाए गए विशेष 'ऑपरेशन म्यूल हंटर' के दौरान पुलिस ने चार आरोपितों को दबोच लिया। इस पूरे मामले का केंद्र 'हर्ष ट्रेडिंग' नाम का एक बैंक खाता रहा, जिसने देशव्यापी ठगी के जाल का खुलासा कर दिया है।

साइबर थाना प्रभारी हरिओम मीणा के नेतृत्व में हुई इस जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पुलिस ने पाया कि हर्ष जोशी के नाम पर खोले गए इस खाते का उपयोग ठगी की रकम को खपाने के लिए किया जा रहा था। इस एक ही खाते के खिलाफ गुजरात, महाराष्ट्र और तेलंगाना जैसे विभिन्न राज्यों से कुल 21 शिकायतें दर्ज हैं, जिनमें लगभग 16 लाख 40 हजार रुपये की ठगी की पुष्टि हो चुकी है। हालांकि, जांच का दायरा बढ़ने पर पता चला कि यह तो सिर्फ शुरूआत थी। खाते के अन्य संदिग्ध ट्रांजेक्शन को जोड़ने पर कुल लेनदेन 82 लाख रुपये से भी ऊपर पाया गया है, जिसमें से करीब 65 लाख 70 हजार रुपये के लेन-देन को लेकर अभी एफआईआर दर्ज होना बाकी है।

गिरफ्तार किए गए आरोपितों में हर्ष जोशी, हिमांशु शर्मा, विकास विजयवर्गीय और अनील बाथम शामिल हैं। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि खाता भले ही हर्ष के नाम पर था, लेकिन इसका वास्तविक संचालन गिरोह के अन्य सदस्य कर रहे थे। ठगी की रकम सबसे पहले इसी खाते में मंगवाई जाती थी और फिर उसे चालाकी से अलग-अलग माध्यमों से निकाल लिया जाता था। फिलहाल पुलिस इस अंतरराज्यीय नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है ताकि इस गिरोह के मास्टरमाइंड और अन्य सहयोगियों तक पहुँचा जा सके।

मुठभेड़ के दौरान गोकशी के दो आरोपित जुनैद और कय्यूम गिरफ्तार

मुरादाबाद : उत्तर प्रदेश में मुरादाबाद जिले के थाना कटघर क्षेत्र में शुक्रवार देर रात मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने गोकशी के दो आरोपित जुनैद और कय्यूम को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया। आरोपित कय्यूम दो माह पहले ही जेल से बाहर आया था। पुलिस अधीक्षक (नगर) कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि कटघर थाना क्षेत्र में रामगंगा किनारे मुस्तफाबाद के जंगल में गुरुवार को पशु के अवशेष मिले थे। कटघर थाने में इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। शुक्रवार की रात करीब नौ बजे कटघर थाने की पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी थी। इसी दौरान सक्टूनगला जाने वाले रास्ते पर बाइक सवार दो आरोपित जा रहे थे। पुलिस ने आरोपितों की घेराबंदी की तो उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें थाना मूंढापांडे क्षेत्र के सिरसखेड़ा निवासी जुनैद और मूंढापांडे के ही खानपुर लक्की निवासी कय्यूम पैर में गोली लगने घायल हो गए। एसपी सिटी ने आगे बताया कि आरोपितों ने पूछताछ में कबूला है कि उन्होंने ही एक दिन पहले रामगंगा किनारे गोकशी की घटना को अंजाम दिया था। कव्यूम पहले भी मुठभेड़ में गिरफ्तार हो चुका है।

रेलवे ने तीन और छह मई को कई ट्रेनों को किया रद्द

एजेंसी

रायपुर : दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल के निपनिया - भाटापारा सेक्शन में रोड अंडरब्रिज निर्माण किया जा रहा है। इसलिए कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा। तीन और छह मई को रेलवे ने कई रेलगाड़ियों को रद्द किया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर जोन अंतर्गत गोंदिया स्टेशन पर बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड कार्य के चलते 3 मई से 22 मई तक कई ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा। रेलवे के अनुसार, गोंदिया स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-4 पर 20 दिनों तक मेगा ट्रैक कार्य किया जाएगा। इस दौरान वॉशेबल एप्रन को हटाकर बैलेस्टेड ट्रैक बनाया जाएगा। कार्य के चलते प्लेटफॉर्म नंबर-4 (डाउन मेन लाइन) पूरी तरह बंद रहेगा। यह कार्य ट्रेनों की गति, सुरक्षा और ऑपरेशनल क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। हालांकि, इसके कारण यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ सकता है।

रद्द होने वाली ट्रेन –

18109 टाटानगरझनेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी एक्सप्रेस 3 मई से 22 मई 2026 तक रद्द रहेगी। 18110 नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारीझटाटानगर एक्सप्रेस 5 मई से 24 मई 2026 तक रद्द रहेगी। 68711 डोंगरगढ़झगोंदिया पैसेंजर 3 मई से 22 मई 2026 तक रद्द रहेगी। 68712 गोंदियाझडोंगरगढ़ पैसेंजर 3 मई से 22 मई 2026 तक रद्द रहेगी। 68713 गोंदियाझनेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी पैसेंजर 3 मई से 22 मई 2026 तक रद्द रहेगी। 68716 नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारीझगोंदिया पैसेंजर 3 मई से 22 मई 2026 तक रद्द रहेगी। 68714 नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारीझबालाघाट पैसेंजर 3 मई से 22 मई 2026 तक रद्द रहेगी।68715 बालाघाटझनेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी पैसेंजर 3 मई से 22 मई 2026 तक रद्द रहेगी। 58205 रायपुरझनेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी पैसेंजर 3 मई से 22 मई 2026 तक रद्द रहेगी। 58206 नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारीझरायपुर पैसेंजर 4 मई से 23 मई 2026 तक रद्द रहेगी।

तीन और छह मई को बीच में समाप्त होने वाली गाड़ी:–

झारसुगुड़ा से चलने वाली 68862 झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमू पैसेंजर बिलासपुर में समाप्त होगी तथा बिलासपुर एवं गोंदिया के बीच रद रहेगी । गोंदिया से चलने वाली 68861 गोंदिया-झारसुगुड़ा मेमू पैसेंजर बिलासपुर स्टेशन से प्रारम्भ होगी तथा गोंदिया एवं बिलासपुर के बीच रद रहेगी । गर्मी की छुट्टियों में अधिकाधिक यात्रियों को कंफर्म बर्थ उपलब्ध कराने के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने वाली गाड़ी संख्या 08743/08744 दुर्ग-हरिद्वार-दुर्ग समर स्पेशल में एक अतिरिक्त एसी-3 कोच की सुविधा अस्थायी रूप से उपलब्ध कराई जा रही है ` यह सुविधा दुर्ग से चलने वाली गाड़ी संख्या 08743 दुर्ग-हरिद्वार समर स्पेशल ट्रेन में दिनांक 03 मई से 31 मई 2026 तक तथा हरिद्वार से चलने वाली गाड़ी संख्या 08744 हरिद्वार-दुर्ग समर स्पेशल ट्रेन में दिनांक 04 मई से 01 जून 2026 तक उपलब्ध रहेगी।

पश्चिम बंगाल की डायमंड हार्बर और मगराहाट पश्चिम विस सीट के 15 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान जारी, कड़े सुरक्षा प्रबंध

एजेंसी

दक्षिण 24 परगना : दक्षिण 24 परगना जिले में शनिवार को डायमंड हार्बर विधानसभा क्षेत्र के चार और मगराहाट पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के 11 बूथों पर पुनर्निर्वाचन शांतिपूर्ण माहौल में शुरू हुआ। मतदान सुबह सात बजे प्रारंभ होकर शाम छह बजे तक जारी रहेगा। चुनाव आयोग के निर्देश पर मगराहाट पश्चिम के 11 बूथों तथा डायमंड हार्बर के चार बूथों में पुनर्निर्वाचन कराया जा रहा है। जिन बूथों पर मतदान हो रहा है, उनमें मगराहाट पश्चिम के बूथ संख्या 46, 126, 127, 128, 142, 214, 215, 216, 230, 231 एवं 232 तथा डायमंड हार्बर के बूथ संख्या 117, 179, 194 और 243 शामिल हैं। सुबह से ही सभी मतदान केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था देखने को मिली। केंद्रीय बलों के जवानों के साथ राज्य पुलिस भी मुस्तैदी से तैनात है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए मतदान केंद्रों के बाहर भीड़ जमा होने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है और क्षेत्र में लगातार गश्त की जा रही है। प्रथम घंटे की मतदान प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार की गड़बड़ी या अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। प्रशासन ने पूरी प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं।

भोपाल में मानस भवन बस्ती हटाने की कार्रवाई शुरू, पॉलिटेक्निक चौराहा छावनी में तब्दील, कांग्रेस का विरोध तेज

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के पॉलिटेक्निक चौराहा स्थित मानस भवन के पीछे करीब 70 साल पुरानी बस्ती को हटाने की कार्रवाई आज शनिवार से शुरू हो गई। प्रशासन ने पूरे क्षेत्र को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया है। सुरक्षा के मद्देनजर बैरिकेडिंग कर आवाजाही पूरी तरह रोक दी गई है। कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस नेताओं ने देर रात धरना दिया। पूर्व मंत्री पीसी शर्मा और नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी समेत कई नेता रहवासियों के समर्थन में बैठे। इस दौरान एक युवक विरोध जताते हुए टावर पर चढ़ गया, जिसे पुलिस ने समझाइश देकर सुरक्षित नीचे उतार लिया। बस्ती के लोगों ने अनिश्चितता के माहौल के बीच अपने घरों में ताला लगाकर सामान की जिम्मेदारी पुलिस को सौंप दी है। प्रशासन ने यहां रह रहे 27 परिवारों को भौंरी, कलखेड़ा और मालीखेड़ी में पुनर्वासित करने की योजना बनाई है।

करीब सात दशक पुरानी इस बस्ती को हटाने के लिए प्रशासन ने 95 अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। वहीं, रहवासी देर रात तक धरने पर डटे रहे। नेता प्रतिपक्ष ने पुलिस को पत्र लिखकर बताया कि आदिवासी मोहल्ले के लोग घर बंद कर चुके हैं, जिससे स्थिति और संवेदनशील हो गई है। प्रशासन और प्रदर्शनकारियों के बीच तनातनी के चलते इलाके में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।

राजस्थान में आंधी-बारिश के बीच गर्मी बरकरार, बाड़मेर 44.6 डिग्री के साथ सबसे गर्म

एजेंसी

जयपुर : राजस्थान में मौसम का मिजाज इन दिनों दोहरा बना हुआ है। एक ओर प्रदेश के कई जिलों में तेज गर्मी और लू का असर जारी है, वहीं दूसरी ओर दोपहर बाद आंधी और हल्की बारिश लोगों को राहत भी दे रही है। शुक्रवार को बाड़मेर प्रदेश का सबसे गर्म जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 44.6 डिग्री सेल्सियस मापा गया। बीकानेर में भी पारा 44.2 डिग्री तक पहुंच गया। अधिकांश शहरों में तापमान 40 डिग्री के आसपास बना रहा। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन से चार दिनों तक राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में दोपहर बाद मौसम बदलने, तेज आंधी चलने और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। विभाग ने 16 जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। राजधानी जयपुर में शनिवार सुबह तेज धूप खिलने के बाद करीब नौ बजे अचानक मौसम पलट गया और तेज हवाओं के साथ हल्की बूंदाबांदी का दौर शुरू हो गया। मौसम केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार मई के शुरूआती 15 दिनों में सामान्य से कम गर्मी रहने की संभावना है और इस दौरान लगातार आंधी-बारिश का दौर बना रह सकता है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि सामान्यतः मई महीने में 5 से 6 दिन ही आंधी-बारिश होती है, लेकिन इस बार 10 से 12 दिन तक मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। इससे अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री कम रह सकता है। हालांकि पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर और बीकानेर जैसे जिलों में फिलहाल गर्मी का प्रकोप जारी है। जोधपुर में दिनभर तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों को बेहाल किया। अजमेर में दिनभर भीषण गर्मी के बाद देर शाम तेज अंधड़ और बारिश हुई। करीब 10 मिनट की बारिश से तापमान में गिरावट आई और लोगों को राहत मिली। पिछले 24 घंटे में 5.7 मिमी वर्षा हुई।

मध्य प्रदेश में मौसम ने बदली करवट, आज 21 जिलों में आंधी-बारिश और ओलों का अलर्ट, 5 मई तक रहेगा असर

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में तेज गर्मी के बीच मौसम ने अचानक कर-वट ली है। पिछले दो दिनों से प्रदेश के आधे से अधिक हिस्सों में आंधी, बारिश और कहीं-कहीं ओलावृष्टि देखने को मिल रही है। मौसम विभाग ने शनिवार को ग्वालियर सहित 21 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में 30 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। बीते दो दिनों में प्रदेश के 35 से ज्यादा जिलों में बारिश, ओले या तेज आंधी का असर देखा गया है। शुक्रवार को भी कई स्थानों पर मौसम बिगड़ा रहा, जिससे दिन के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। जिन जिलों में शनिवार को आंधी-बारिश की चेतावनी दी गई है, उनमें ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, मैहर, जबलपुर, सिवनी, मंडला, बालाघाट, डिंडौरी, अनूपपुर, गुना, अशोकनगर, नीमच और मंदसौर शामिल हैं। वहीं दूसरी ओर भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, धार, आलीराजपुर, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, झाबुआ, उज्जैन, आगर-मालवा, शाजापुर, देवास, रतलाम, सागर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, कटनी, उमरिया, शहडोल, रीवा, मऊगंज, सीधी, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा और सिंगरौली में गर्मी का असर बना रहेगा। हालांकि, इनमें से कुछ जिलों–जैसे भोपाल, नर्मदापुरम, रीवा और शहडोल संभाग में दोपहर बाद मौसम बदल सकता है। बीते शुक्रवार को जबलपुर और दमोह में बारिश दर्ज की गई। तापमान की बात करें तो खंडवा में सबसे अधिक 43.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। नरसिंहपुर में 42.2 डिग्री, रतलाम में 41.2 डिग्री, टीकमगढ़ में 41 डिग्री, बैतूल में 40.8 डिग्री और गुना में 40.4 डिग्री तापमान रहा। प्रदेश के प्रमुख शहरों में उज्जैन का तापमान 40.5 डिग्री के साथ सबसे अधिक रहा। भोपाल में 39.8 डिग्री, इंदौर में 39.4 डिग्री, ग्वालियर में 37.4 डिग्री और जबलपुर में 38 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। आमतौर पर मई महीने में तेज गर्मी पड़ती है, लेकिन इस बार महीने की शुरूआत आंधी-बारिश के साथ हुई है। ऐसी ही स्थिति 5 मई तक बनी रह सकती है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि चक्रवाती परिसंचरण के सक्रिय होने से मौसम में बदलाव आया है। साथ ही हिमालयी क्षेत्र में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण प्रदेश में आगे भी आंधी-बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है।

न्यूज IN ब्रीफ

ऑपरेशन ह्लनया सवेराह्व में सीवान पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 21 नाबालिग लड़कियां मुक्त

सीवान : सक्रिय पुलिसिंग के तहत सीवान पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। ह्लऑपरेशन नया सवेराह्व के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आर्केस्ट्रा में शोषण का शिकार हो रही 21 नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराया है। इस दौरान एक महिला सहित दो संचालकों को गिरफ्तार किया गया है। एसपी पूरन कुमार झा के अनुसार, अनैतिक देह व्यापार एवं मानव तस्करी पर रोक लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष अभियान चलाया गया। गुप्त सूचना के आधार पर पचरुखी थाना क्षेत्र में संचालित आर्केस्ट्रा स्थलों पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान विभिन्न राज्यों से लाई गई 21 नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराया गया। इनमें पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और नेपाल की लड़कियां शामिल हैं। सभी लड़कियों के नाम, पते और उम्र का सत्यापन किया जा रहा है, साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि उन्हें किन परिस्थितियों में यहां लाया गया था और इसके पीछे कौन–कौन लोग शामिल हैं। पुलिस ने इस मामले में पचरुखी थाना में केस दर्ज कर लिया है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी टीम में महिला थाना प्रभारी सहित कई पुलिस अधिकारी और एएचटीयू (मानव तस्करी विरोधी इकाई) के सदस्य शामिल थे। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी महिला या बच्ची के शोषण या तस्करी से जुड़ी कोई जानकारी मिले, तो तुरंत पुलिस हेल्पलाइन या डायल 112 पर सूचित करें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी '

मोरेह की ओर जा रहे अवैध ईंधन की खेप जब्त, पांच चालक गिरफ्तार

इम्फाल : मणिपुर पुलिस ने मोरेह सीमा क्षेत्र की ओर अवैध रूप से ले जाए जा रहे पेट्रोलियम और डीजल उत्पादों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अलग–अलग अभियानों में कई वाहनों को जब्त कर पांच चालकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार, 1 मई को जांच अभियान के दौरान एक बोलेरो पिकअप वाहन को रोका गया, जो मोरेह की ओर जा रहा था। तलाशी के दौरान वाहन से पेट्रोलियम या डीजल से भरे 11 कंटेनर बरामद किए गए। इस मामले में वाहन चालक एमडी हाशन (51), निवासी इरेंगबंद (काकचिंग जिला), को गिरफ्तार किया गया। इससे पहले चलाए गए एक अन्य अभियान में पुलिस ने चार वाहनों को रोका, जिनसे कुल 25 कंटेनरों में भरे संदिग्ध पेट्रोलियम और डीजल उत्पाद बरामद हुए। जब्त किए गए वाहनों में एक टाटा मैजिक और तीन ईको वैन शामिल हैं। इनके चालकों की पहचान चंदेल जिले के एल्विस लामकांग (23), थौबल जिले के एमडी अबास खान (47), चंदेल जिले के डांगसावा कोशिल पिपाचुम (56) तथा काकचिंग जिले के एमडी मुजीबुर रहमान (35) के रूप में हुई है। पुलिस ने सभी पांचों चालकों को गिरफ्तार कर लिया है तथा जब्त वाहनों और ईंधन को आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जब्त ईंधन के स्रोत और इसके वितरण नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

दक्षिण बंगाल में कालबैसाखी का प्रभाव, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

कोलकाता : दक्षिण बंगाल में मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली है। कोलकाता सहित पूरे क्षेत्र में झमाझम बारिश और तेज हवाओं का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग ने आगामी मंगलवार तक पूरे राज्य में अलर्ट जारी किया है। रविवार और सोमवार को दक्षिण बंगाल के सभी जिलों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। वहीं उत्तर बंगाल के आठ जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि बारिश और तेज हवाओं के बावजूद तापमान में बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। शनिवार सुबह कोलकाता का न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से कम है। इससे मौसम सुहावना बना हुआ है। अगले 24 घंटे में दक्षिण बंगाल के सभी जिलों में कालबैसाखी की संभावना जताई गई है। कोलकाता, हावड़ा, हुगली, पश्चिम मेदिनीपुर, झाड़ग्राम, पुरुलिया और बांकुड़ा में हल्की बारिश के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं। रविवार को बारिश और हवाओं की तीव्रता बढ़ने का अनुमान है। सोमवार को कोलकाता सहित पूरे दक्षिण बंगाल में भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण ऑरेंज अलर्ट रहेगा। मंगलवार को भी हल्की बारिश और तेज हवाओं का दौर जारी रह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार तक राज्य के कई हिस्सों में रुक–रुक कर बारिश होती रहेगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज बिलासपुर जिले के दौरे पर

रायपुर : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज बिलासपुर जिले के दौरे पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री दोपहर 3:20 बजे राजधानी रायपुर से बिलासपुर के लिए रवाना होंगे, जहां मुख्यमंत्री ऑल इंडिया वुमेन हॉकी टूनामेंट में शामिल होंगे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे। जिले में आयोजित इस महिला हॉकी प्रतियोगिता को लेकर खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री मैच का अवलोकन करेंगे और खिलाड़ियों से मुलाकात भी कर सकते हैं। इसके बाद शाम करीब 5 बजे मुख्यमंत्री बिलासपुर से वापस रायपुर के लिए रवाना हो जाएंगे।

जुआ खेलने के आरोप में चार गिरफ्तार

नगांव (असम) : नगांव जिले के सामागुरी इलाके से पुलिस ने जुआ खेलने के आरोप में चार जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के सामागुरी इलाके से चार जुआरियों को गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अब्दुल फालान, अहिदुल, समसुल हक और साईदुल के रूप में की गई है। पुलिस गिरफ्तार आरोपितों के पास जुआ खेल की कुछ सामग्री भी बरामद किया है। हालांकि, अभियान के दौरान अन्य आरोपित मौके से फरार होने में सफल रहे। पुलिस इस संबंध में गैंबलिंग एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

गर्मी से राहत पाने शिमला पहुंचे सैलानी, 80 फीसदी तक होटल भरे

शिमला : देश के मैदानी इलाकों में बढ़ती गर्मी से राहत पाने के लिए वीकेंड पर बड़ी संख्या में सैलानियों ने शिमला का रुख किया है। शनिवार सुबह से ही शहर में पर्यटकों की आवाजाही तेज हो गई और प्रमुख पर्यटन स्थलों पर भीड़ नजर आई। माल रोड, रिज, कुफरी, लोअर बाजार और लक्कड़ बाजार में सैलानियों की चहल–पहल बढ़ गई है। ऐतिहासिक रिज मैदान पर पर्यटक घुड़सवारी, फोटोग्राफी और वीडियो बनाने का आनंद लेते दिखे, जबकि बाजारों में खरीदारी के लिए भी काफी भीड़ उमड़ी। शहर में सैलानियों की बढ़ती आमद का असर होटलों पर भी साफ दिखाई दे रहा है। शिमला होटलियर एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रिंस कुकुकरेजा के मुताबिक वीकेंड के दौरान होटलों में ऑक्यूपेंसी 70 से 80 फीसदी तक पहुंच गई है। उन्होंने बताया कि पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश से सबसे ज्यादा पर्यटक शिमला पहुंचे हैं। उनका कहना है कि मैदानी क्षेत्रों में गर्मी बढ़ने के साथ ही पर्यटन सीजन ने रफ्तार पकड़ ली है, जिससे स्थानीय पर्यटन कारोबार को भी राहत मिली है। पिछले दिनों हुई बारिश और ओलावृष्टि के बाद शिमला का मौसम इन दिनों सुहावना बना हुआ है। शहर का अधिकतम तापमान करीब 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा रहा है, जो सैलानियों के लिए आकर्षण का बड़ा कारण है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के लिए शिमला में तेज बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। अनुमान है कि इससे तापमान में और गिरावट आ सकती है और मौसम और ठंडा हो सकता है। हालांकि सैलानियों की भारी भीड़ के चलते शहर में ट्रैफिक व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया है। शिमला पुलिस के अनुसार पिछले एक सप्ताह में शोघी बैरियर से 70 हजार से अधिक वाहन शहर की ओर आए हैं। बढ़ते वाहनों के कारण कई स्थानों पर जाम की स्थिति भी बन रही है। सर्कुलर रोड स्थित बहुमंजिला पार्किंग भी पूरी तरह भर गई है और अन्य पार्किंग स्थलों पर भी जगह कम पड़ रही है। एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने बताया कि ट्रैफिक व्यवस्था को संभालने के लिए 250 पुलिस जवानों को तैनात किया गया है, जो तीन शिफ्टों में ड्यूटी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि वाहनों की संख्या के अनुसार शहर के अलग–अलग हिस्सों में ट्रैफिक को डायवर्ट किया जा रहा है, ताकि जाम की स्थिति को नियंत्रित किया जा सके। शिमला पहुंचे पर्यटकों का कहना है कि यहां का मौसम बेहद सुखद है और गर्मी से राहत मिल रही है। दिल्ली से आए दीपक और प्रदीप ने बताया कि शिमला का शांत वातावरण और ठंडा मौसम उन्हें काफी पसंद आ रहा है और यहां आकर सुकून महसूस होता है।

न्यूज IN ब्रीफ

स्व-गणना के माध्यम से अपनी जानकारी को पोर्टल पर अपडेट किया

चाईबासा : जनगणना-2027 के अंतर्गत आज पश्चिमी सिंहभूम जिला में सिंहभूम सांसद जोबा माझी एवं विधायक मनोहरपुर जगत माझी के द्वारा स्व-गणना के माध्यम से अपनी जानकारी को पोर्टल पर अपडेट किया गया है। जिला प्रशासन जिले के सभी नागरिकों से अपील करती है कि आप सभी जनगणना-27 अंतर्गत स्व-गणना के माध्यम से अपनी प्रविष्टियां दर्ज करें। यह प्रक्रिया राज्य में स्व-गणना प्रारंभ होने की तिथि अर्थात 1 मई 2026 से अगले 15 दिनों तक के लिए अपनी पसंद की भाषा में उपलब्ध है। इसके लिए नागरिकगण सी डॉट सेंनसस डॉट गवर्नमेंट डॉट इन पर विजिट कर प्रक्रिया का पालन करें और जनगणना में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

तिलक समारोह में हर्ष फायरिंग का कहर, दो घायल

हरिहरगंज : तिलक समारोह की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं जब जश्न के दौरान की गई हर्ष फायरिंग दो लोगों के लिए जानलेवा साबित होते-बचते रह गई। समारोह के बीच अचानक चली गोलियों की तड़तड़ाहट से पूरा कार्यक्रम चीख-पुकार और अफरा-तफरी में बदल गया। गोली लगने से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तिलक मंच पर उत्सव का माहौल था और लोग जश्न में डूबे हुए थे। इसी दौरान हथियार लहराते हुए हर्ष फायरिंग की गई, लेकिन लापरवाही भारी पड़ गई और गोली भीड़ में जा लगी। घटना के बाद समारोह स्थल पर भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई।मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पूर्व मुखिया को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से लाइसेंसी हथियार भी बरामद किया है। फिलहाल पुलिस यह जांच कर रही है कि जश्न के नाम पर हथियार का प्रदर्शन और फायरिंग क्यों की गई तथा घटना में और कौन-कौन शामिल था।

यह घटना एक बार फिर सवाल खड़ा करती है कि आखिर कब तक खुशी के मौकों पर हथियारों के प्रदर्शन और हर्ष फायरिंग जैसी खतरनाक परंपराएं जारी रहेंगी। जश्न मनाने की यह लापरवाही कभी भी बड़े हादसे में बदल सकती है। प्रशासन द्वारा लगातार चेतावनी के बावजूद ऐसे मामलों का सामने आना गंभीर चिंता का विषय है।पुलिस ने कहा है कि दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डीआईजी ने छतरपुर के पुलिस निरीक्षक कार्यालय का किया निरीक्षण

मेदिनीनगर : पलामू क्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) श्री किशोर कौशल ने आज पुलिस निरीक्षक कार्यालय, छतरपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने क्षेत्र में विधि-व्यवस्था संधारण की स्थिति का जायजा लिया और संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीआईजी ने संबंधित पंजी एवं अभिलेखों का अद्यतन करने का भी निर्देश दिया। मौके पर छतरपुर अंचल के पुलिस निरीक्षक द्वारिका राम, महिला थाना प्रभारी मुनी कुमारी, सुशील उरांव, इन्द्रजीत राणा, राहुल कुमार, अनिल कुमार रजक, राजीव कुमार, पीपरा थाना के कुलेश्वर महतो तथा नौडीहा थाना के रोहित चौहान सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे। इधर, डीआईजी ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय में समीक्षा बैठक कर विधि-व्यवस्था की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं के विरुद्ध लैंगिक अपराध एवं पोक्सो एक्ट से संबंधित लंबित मामलों की समीक्षा की और इनके शीघ्र निष्पादन के लिए सख्त निर्देश दिए।

बैठक में हुसैनाबाद के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (आईपीएस) दिव्यांश शुक्ला, हुसैनाबाद थाना प्रभारी चंदन कुमार, हैदर नगर थाना प्रभारी अफजल अंसारी तथा मोहम्मदगंज थाना प्रभारी नारायण सोरेन मौजूद रहे।

कार्यकर्ताओं को एसआईआर की मिली जानकारी

साहिबगंज : बरहेट प्रखंड परिसर अंतर्गत धुमकडिया भवन में झामुमो प्रखंड समिति की एक बैठक आयोजित की गई।जिसकी अध्यक्षता झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी ने किया।उक्त बैठक में झामुमो जिला अध्यक्ष श्री अरुण सिंह जिला सचिव सुरेश टुडू युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष संजय गोस्वामी जिप अध्यक्ष श्रीमती मोनिका किस्कू सांसद प्रतिनिधि संजीव सामू हेंब्रम केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा मुख्य रूप से शामिल हुए। सर्व प्रथम सभी पदाधिकारियों को प्रखंड समिति के ओर से बारी-बारी से अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।बैठक में मुख्य रूप से ऐस आई आर व संगठन के बारे मे चर्चा की गई।सभी वक्ताओं ने ऐस आई आर के बारे में विस्तृत रूप से सभी कार्यकताओं को जानकारी दिए। बैठक का संचालन झामुमो के प्रखंड सचिव मुजिबुर रहमान ने किया। मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष प्रो नजरूल इस्लाम जिला संगठन सचिव छवि हेंब्रम युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष देव सोरेन मोहम्मद अली लखीराम हेंब्रम,गुंजन सिंघानिया,उपप्रमुख रुपक साह सुनिराम हांसदा अब्दुल मजीद पुसा टुडू समदा सोरेन रेजाउल रहमान हासिम अख्तर शमीम अंसारी नूर हुसैन अंसारी जिकीर मोमिन बाबुधन टुडू बेला किस्कू सुनीता टुडू पप्पू भगत मिराज हक लड्डू भगत राकेश बेसरा शाम हेंब्रम सहित सभी 22पंचायत के अध्यक्ष सचिव सहित सम्मानित कार्यकर्ता गण मौजूद थे।

गौतम बुद्ध ने अहिंसा का संदेश दिया

साहिबगंज : विद्या भारती विद्यालय, जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, साहिबगंज के वंदना कक्ष में भगवान गौतम बुद्ध की जयंती मनाई गई।जयंती समारोह का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील पंडित एवं समस्त आचार्य बंधु भगिनी ने गौतम बुद्ध के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित किया। जयंती समारोह को सुनील पंडित ने संबोधित किया।

चक्रधरपुर रेल मंडल में ट्रेनों की लेटलतीफी पर भड़के पवन शंकर पाण्डेय, रेल मंत्री को लिखा पत्र

संवाददाता

चक्रधरपुर : भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष पवन शंकर पाण्डेय ने चक्रधरपुर रेल मंडल में ट्रेनों के लगातार विलंब से संचालन को लेकर केंद्रीय रेल मंत्री को पत्र लिखकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने मांग की है कि सवारी और मेल एक्सप्रेस ट्रेनों को निर्धारित समय के अनुसार चलाने के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाए जाएं।

अपने पत्र में पाण्डेय ने बताया कि कोरोना काल के बाद जहां देश के अन्य रेल मंडलों में ट्रेन सेवाएं सामान्य हो चुकी हैं, वहीं दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल में स्थिति अब भी दयनीय बनी हुई है। उन्होंने कहा कि कई सवारी गाड़ियों का संचालन शुरू तो हुआ, लेकिन कुछ ट्रेनों को स्थायी रूप से रद्द कर दिया गया। विशेष रूप से टाटा से एलेप्पी जाने वाली एलेप्पी एक्सप्रेस को चक्रधरपुर से हटाए जाने पर उन्होंने आपत्ति जताई।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले लगभग तीन वर्षों से चक्रधरपुर मंडल की अधिकांश ट्रेनें घंटों देरी से चल रही हैं, जिससे आम यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के मौसम में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है।

पाण्डेय ने अपने पत्र में वर्तमान मंडल रेल प्रबंधक तरुण हुरीया पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में ट्रेनों की लेटलतीफी और बढ़ गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि विलंब से चल रही ट्रेनों की न तो नियमित समीक्षा की जा रही है और न ही समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस पहल की जा रही है।

उन्होंने यह भी बताया कि इस मुद्दे पर कई सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों द्वारा पहले भी पत्राचार किया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ऐसे में क्षेत्र के लोग और राजनीतिक दल आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं।

अंत में पाण्डेय ने मांग की कि चक्रधरपुर के वर्तमान मंडल रेल प्रबंधक को हटाया जाए और ट्रेनों के समय पर संचालन सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि आम नागरिकों को राहत मिल सके।

गहन विधिक जागरूकता व जनसम्पर्क अभियान को लेकर डालसा ने निकाला प्रभात फेरी

संवाददाता

मेदिनीनगर : झालसा के दिशा निर्देश पर व पलामू के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश श्रीराम शर्मा के नेतृत्व में शनिवार को डालसा की ओर से 90 दिवसीय गहन विधिक जागरूकता एवं जनसंपर्क अभियान को ले शनिवार को प्रभात फेरी निकाली गई ।प्रभात फेरी का नेतृत्व पलामू के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश श्री राम शर्मा कर रहे थे।उनके साथ कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश संजीव कुमार दास,जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अखिलेश कुमार, आयशा खान, सीजेएम मनोरंजन कुमार, एसीजेएम सुशीला सोरेंग,डालसा सचिव राकेश रजंन,सिविल जज सीनियर डिवीजन रविशंकर पांडेय, एस के गौतम,गौरव खुराना,निर्भय प्रकाश,शम्भू महतो,कमल प्रकाश,रोजलीना बारा, रशिम चन्देल,प्रज्ञेष निगम, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष रामदेव प्रसाद यादव,लीगल एड डिफेंस काउंसिल के चीफ अमिताभ चन्द सिंह, डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय,कोर्ट कर्मी व पीएलवी शामिल थे। प्रभातफेरी कोर्ट कैम्पस से शुरू होकर समाहरणालय होते हुए कोर्ट परिसर में आकर समाप्त हुआ। इस मौके पर हाथ में तख्ती लिए कार्यक्रम में शामिल लोगों ने डायन बिसाही, नशा मुक्ति व अंधविश्वास मिटाने का संकल्प लिया।व नारे लगाए। इस मौके पर डालसा के सचिव राकेश रंजन ने कहा कि 90 दिवसीय गहन विधिक जागरूकता अभियान एवं जन सम्पर्क अभियान का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक कानूनी की जानकारी पहुचाना ओर उन्हें सशक्त बनाना है।यह अभियान 90 दिनों तक चलेगा।उन्होंने कहा कि यह अभियान जागरूकता,पहचान, व सहायता के तीन चरणों मे संचालित होगा।कानूनी सहायता के लिए टोल फ्री नम्बर 15100 पर सम्पर्क किया जा सकता हैं।उन्होंने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर आमजन को महिला बाल अधिकार,साइबर अपराध, नशा मुक्ति व कुरीति के प्रति जागरूक करना और उन्हें न्याय दिलाना हैं।इसी उद्देश्य से प्रभात फेरी निकाली गई। इस मौके लीगल एड डिफेंस काउंसिल के असिस्टेंट वीर विक्रम वक्स राय, उत्तम कुमार ,पुष्कर राज , संजीव सिंह ,पीएलवी शैलेंद्र तिवारी, विनय प्रसाद, प्रमोद शुक्ला सुखाड़ी मिंज,आमोद कुमार सिंह, मुनेश्वर राम,सुचिता एक्का,देवराज शर्मा,समेत सैकड़ो लोग शामिल थे।

नगरपरिषद कार्यालय में श्रमिक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन

बिनय मिश्रा

पश्चिमी सिंहभूम जिला अंर्तगत आज अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर चक्रधरपुर नगरपरिषद कार्यालय में श्रमिक का सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पोड़ाहाट-चक्रधरपुर अनुमंडल पदाधिकारी सुश्री श्रुति राजलक्ष्मी, अध्यक्ष-नगरपरिषद चक्रधरपुर श्री सन्नी उरांव, उपाध्यक्ष-नगरपरिषद चक्रधरपुर श्री विजय कुमार तथा कार्यपालक पदाधिकारी चक्रधरपुर श्री विजय कुमार हंसदा सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नगरपरिषद के श्रमिकों एवं सफाईकर्मियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, साथ ही उन्हें सेफ़्टी किट के साथ-साथ प्रोत्साहन स्वरूप साड़ी, शर्ट एवं पैंट भी भेंट किया गया। कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में पदाधिकारियों ने कहा कि नगरपरिषद के सफाईकर्मियों की भूमिका, शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके अथक परिश्रम और समर्पण के कारण ही चक्रधरपुर शहर स्वच्छता की दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। इस अवसर पर बताया गया कि नगरपरिषद बोर्ड एवं पदाधिकारियों द्वारा सभी श्रमिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे तथा उनके कार्य से संबंधित समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

रोटरी क्लब चाईबासा का 167 वां रक्तदान शिविर हुआ सम्पन्न

गुरमुख सिंह खोखर को रक्तदाताओं ने दी बधाई

संवाददाता

रोटरी क्लब चाईबासा द्वारा एक मई को लगातार 167 वां मासिक रक्तदान सह जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। रोटरी क्लब के अध्यक्ष विकास दोदराजका ने कहा कि रक्तदान एक पुनीत कार्य है और एक जुलाई 2012 को मानव हित में आम लोगों को रक्तदान करने एवं रक्तदान के प्रति जागरूक एवं प्रेरित करने हेतु प्रत्येक महीने की एक तारीख को रोटरी मासिक रक्तदान सह जागरूकता शिविर स्वर्गीय हरभजन सिंह खोखर की स्मृति में आरंभ किया गया था जो कि निरंतर आयोजित हो रहा है।

एक मई को रोटरी क्लब चाईबासा द्वारा ब्लड बैंक में लगातार 167 वें मासिक रक्तदान सह जागरूकता शिविर में कई लोगों ने प्रथम बार रक्त दान किया, क्लब के द्वारा उन्हें पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया '

कार्यक्रम के संयोजक गुरुमुख सिंह खोखर के विवाह की

एकावनवी (51) सालगिरह की लोगों ने बधाई दी, इस मौके पर लघु सम्मान कार्यक्रम का भी आयोजन भी किया गया।

रोटरी मासिक रक्तदान शिविर में आमंत्रित मुख्य अतिथि सिविल सर्जन डॉक्टर जुझार माझी को रोटरी क्लब के अध्यक्ष विकास दोदराजका, प्रायोजक गुरमुख सिंह खोखर एवं उपस्थित सभी रोटरियन द्वारा संयुक्त रूप से पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। शिविर में एक महिला रक्तदाता, रोटेरियन सौरभ प्रसाद सहित कुल 18 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया ' यह शिविर खोखर परिवार द्वारा प्रायोजित किया जाता है।

रोटरी मासिक रक्तदान शिविर में अध्यक्ष विकास दोदराजका, सचिव हीना ठक्कर, गुरमुख सिंह खोखर, मदन लाल गुप्ता सुशील मुँधडा, सौरभ प्रसाद, बिष्णु भुत, शरद गुप्ता, पश्चिमी सिंहभूम चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष नीरज गोयल, ट्रेजरी ऑफिसर सुमित कुमार, अस्पताल उपाधीक्षक डॉक्टर शिव चरण हांसदा, विजय कुमार एवं ब्लड बैंक कर्मियों सहित अन्य का सराहनीय सहयोग रहा '

रोटरी सचिव हीना ठक्कर ने सभी को धन्यवाद दिया '

धूमधाम से मनाया गया श्री श्री आनंदमूर्ति जी का 105वां जन्मोत्सव

भव्य शोभायात्रा, साधना, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और भाषायी विविधता में गूंजा आनंद का स्वर

मेदिनीनगर : आनंद मार्ग जागृति, नई मुहल्ला में शुक्रवार को प्रभात रंजन सरकार ह्यश्री श्री आनंदमूर्ति जीह्व का 105वां जन्मदिवस आनंद पूर्णिमा उत्सव के रूप में पूरे उत्साह, श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाया गया। यह शुभ दिन आनंद पूर्णिमा का था, जिस पर 1921 में जमालपुर (बिहार) में उनका जन्म हुआ था।

वरिष्ठ आनंदमार्गी बैद्यनाथ जी ने बताया कि श्री श्री आनंदमूर्ति जी ने मानव मात्र के शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक विकास के लिए तांडव, कोशिकी नृत्य और साधना का मार्ग प्रशस्त करते हुए आनंद मार्ग मिशन की स्थापना की। आज यह मिशन दुनिया के कोने-कोने में समाज के चतुर्दिक विकास हेतु कार्यरत है। सुबह जागृति परिसर में भजन, कीर्तन और सामूहिक साधना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। इसके उपरांत एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो जागृति से स्टेशन रोड, चर्च रोड, कचहरी चौक, सरकारी बस डिपो, छः मुहान, शदिक चौक होते हुए स्टेशन चौक से पुनः जागृति लौटकर सम्पन्न हुई। जिले भर से आए सैकड़ों आनंदमार्गियों ने इसमें भाग लिया और ₹मानव-मानव एक है, मानव का धर्म एक है₹ जैसे उदात्त नारों के साथ प्रेम, शांति और एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में कोशिकी नृत्य और तांडव प्रतियोगिता ने विशेष आकर्षण बटोरा। बच्चों के लिए पेंटिंग, क्विज आदि प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। कार्यक्रम के दौरान श्री श्री आनंदमूर्ति जी द्वारा प्रदत्त आनंदवाणी का विभिन्न भाषाओं—मगही, हिंदी, बंगला, संस्कृत, अंग्रेजी, बंगाली, नागपुरी, मैथिली आदि में वाचन किया गया।

एक भावप्रवण वाणी में कहा गयाः उनकी कृपा का एक कण समझ पाने पर जीव-मानस की सारी ग्लानि क्षण भर में दूर हो जाती है। तब भी मनुष्य उनकी कृपा को समझने की चेष्टा नहीं करता। उनकी इस कृपा को समझने का नाम ही तो साधना है। यदि तुम साधना नहीं करते, तो दोष तुम्हारा ही है। अपने सुख-दुख के लिए उस करुणा-सिन्धु परमब्रह्म को दोष मत दो।इस अवसर पर भुक्ति प्रधान मधेश्वर जी, विश्वनाथ जी, लक्ष्मण जी सरोज, अखिलेश, अरविंद, प्रदीप, रामस्वरूप, मणिकांत, दीपक, शंकरसन, रेणु, मधुबाला, शारदा, पूनम सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। यह उत्सव न केवल एक आध्यात्मिक आयोजन था, बल्कि मानवता के उत्थान और आत्मविकास के लिए प्रेरणा का स्त्रोत भी बना।

डीसी ने जनगणना प्रक्रिया किया शुरू

मेदिनीनगर : जनगणना प्रक्रिया अंतर्गत आज पलामू उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने विभिन्न पत्राकारों के समक्ष सभागार में 'ऑनलाइन स्व-गणना पोर्टल के माध्यम से स्वयं का पंजीकरण कर अभियान का शुभारंभ किया। स्व-गणना न केवल सुविधा है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में हमारी सक्रिय भागीदारी का प्रतीक है।सभागार में ही उप विकास आयुक्त,पुलिस अधीक्षक एवं पत्रकारों ने भी अपना स्व-गणना की।

बालिका+2 विद्यालय चरपोखरी में चित्र कार्यशाला आयोजित

छात्राओं ने कला के माध्यम से आपदा जागरूकता का दिया संदेश

संवाददाता

भोजपुर : जिले के चरपोखरी स्थित स्थानीय प्रोजेक्ट बालिका +2 विद्यालय के कला प्रेक्षागृह में शनिवार को ह्लसुरक्षित शनिवारह्व के तहत चित्र कार्यशाला एवं स्वरचना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। इस रचनात्मक गतिविधि में लगभग 40 छात्राओं ने भाग लेकर अपने मौलिक विचारों और आत्मविश्वास को चित्रों के माध्यम से अभिव्यक्त किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय प्रभारी प्रधानाध्यापक अजय राय ने छात्राओं के चित्रों का अवलोकन करते हुए कहा कि ह्लचित्रों की अपनी एक भाषा होती है, और इन चित्रों में छात्राओं ने अपने बचपन और संवेदनाओं को सजीव रूप में प्रस्तुत किया है।ह्व वहीं वरिष्ठ संगीत शिक्षक प्रमोद कुमार ने ह्लअगलगीह्व (आग लगने) विषय पर छात्राओं को जागरूक करते हुए इसके सामाजिक और मानवीय पक्ष को विस्तार से समझाया।छात्राओं द्वारा बनाए गए चित्रों में ग्रामीण जीवन की मजबूरी, आग लगने की स्थिति में असहायता और आपदा की भयावहता को प्रभावी ढंग से दशार्या गया। गणित शिक्षक सुकेश कुमार और सुभांशू शर्मा ने इन चित्रों को समाज हित में महत्वपूर्ण बताते हुए विद्यालयों में कला गतिविधियों की आवश्यकता पर जोर दिया।हालांकि चित्रों में तकनीकी पक्ष की अपेक्षा सादगी

और सपाट रंगों का अधिक उपयोग देखा गया, फिर भी छात्राओं की कल्पनाशीलता और संदेश की स्पष्टता ने सभी को प्रभावित किया। किरण कुमारी, सोनम कुमारी, आयुषी राज, ज्योति कुमारी, मुस्कान कुमारी, पुनम कुमारी, रिया कुमारी, गुड़िया कुमारी, प्रिया कुमारी, खुशबू कुमारी, आंचल कुमारी, अंजली कुमारी, निशा कुमारी, शिया कुमारी और वर्षा कुमारी सहित अन्य छात्राओं के कार्यों की शिक्षकों ने सराहना की।कार्यक्रम का संयोजन चित्रकार एवं कला शिक्षक रौशन राय ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ह्लरचनात्मकता का मूल बचपन में ही निहित होता है। यदि कला को विषय से जोड़ा जाए, तो यह समाज में जागरूकता लाने का सशक्त माध्यम बन सकती है।

विद्यालय में इस प्रकार की रचनात्मक और शैक्षणिक गतिविधियों के आयोजन से एक सकारात्मक और कलात्मक वातावरण का निर्माण हुआ, जो सराहनीय और प्रेरणादायक है।